सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"इंसानों के शब्दों पर नहीं उनके इरादों पर गौर कीजिए, कोई डांटकर आपका भला चाहता है तो कोई मुस्कुराकर जड़ काटती है...!"

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–92 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 22 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

भिलाई में नई शराब दुकान के विरोध में उतरे जनप्रतिनिधि और नागरिक

विधायक देवेंद्र यादव ने सीएम को पत्र लिखकर की स्थानांतरण की मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र टाउनशिप के सेक्टर-6 (पश्चिम), वार्ड क्रमांक-63 में प्रस्तावित नई शराब दुकान का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। स्थानीय निवासियों के विरोध के बीच, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

आवासीय और शैक्षणिक क्षेत्र की सुरक्षा पर सवाल

विधायक देवेंद्र यादव ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि जिस स्थान पर शराब दुकान खोलने का निर्णय लिया गया है, वह सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से पूरी तरह अनुचित है। पत्र में मुख्य रूप से इन बिंदुओं पर जोर दिया गया है:

शैक्षणिक संस्थान:

प्रस्तावित स्थल के निकट स्कूल और कॉलेज स्थित हैं, जहाँ विद्यार्थियों का लगातार आना-जाना बना रहता है।

आवासीय कॉलोनी:

यह क्षेत्र पूरी तरह से आवासीय है, जहाँ बड़ी संख्या में परिवार निवास करते हैं।

चिकित्सकीय क्लिनिक:

क्षेत्र के मुख्य बाजार में डॉक्टरों के क्लिनिक हैं, जहाँ मरीजों का आना-जाना लगा रहता है।

धार्मिक स्थल:

स्थान के समीप ही धार्मिक स्थल होने के कारण क्षेत्र की संवेदनशीलता और भी अधिक बढ़ जाती है।

शांति-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका

विधायक ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सार्वजनिक और व्यस्त स्थल पर शराब की दुकान खुलने से न केवल क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी असुविधा की स्थिति पैदा होगी। उन्होंने इसे मानवीय दृष्टिकोण से पूर्णतः अव्यवहारिक करार दिया है।

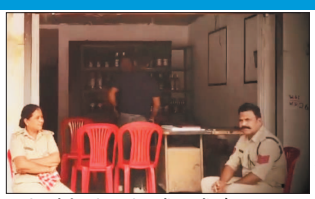

सीएम से त्वरित कार्यवाही की उम्मीद

विधायक देवेंद्र यादव ने वार्डवासियों और आम नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस जनहित के मुद्दे पर संज्ञान लें। उन्होंने मांग की है कि उक्त शराब दुकान को तत्काल प्रभाव से आवासीय क्षेत्र से हटाकर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए ताकि टाउनशिप की शांति और गरिमा बनी रहे।

भिलाई विकास मंच ने जताया विरोध

भिलाई विकास मंच ने भिलाई नगर टाउनशिप स्थित सेक्टर 6 में खुल रही मदिरा दुकान का विरोध करते हुए ,जिलाधीश के नाम का ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर श्रीमती एस थॉमस को भिलाई विकास मंच के संयोजक नितेश मिश्रा के नेतृत्व में दिया, एवं तत्काल मदिरा दुकान हटाने की मांग की । विदित हो कि 19 अप्रैल को आबकारी विभाग एवं बी एस पी प्रबंधन की मिली भगत स्वरूप सेक्टर 6 ऐ मार्केट में गुपचुप तरीके से अंग्रेजी शराब की दुकान को खोल दिया गया , जिसका विरोध भिलाई विकास मंच ने किया। भिलाई विकास मंच के संयोजक नितेश मिश्रा ने कहा उक्त क्षेत्र की 1 किमी में दो उच्चतर माध्यमिक शाला एवं कई धार्मिक स्थल के साथ साथ रिहायशी क्षेत्र आता उक्त स्थल पर मदिरा दुकान खोलना आबकारी विभाग की संवेदनहीनता प्रस्तुत करता है जिसका विरोध भिलाई विकास मंच करती है, एवं शरण दुकान नहीं हटने की स्थिति में उग्र आंदोलन का आह्वान करती है ज्ञापन सौपने हेतु उपस्थित प्रतिनिधि मंडल में नितेश मिश्रा, विजय शुक्ला, अशोक जैन, प्रदीप पांडे, राजकुमार, अभिषेक चिट्ठे आदि उपस्थित थे ।

शराब दुकान के सामने काली पट्टी बांधकर किया विरोध प्रदर्शन

सेक्टर 6 ए मार्केट में शराब दुकान हटाए जाने की मांग को लेकर सेक्टर 6 के रहवासी, व्यापारी एवं भिलाई टाउनशिप के पार्षद विरोध स्वरूप शराब दुकान के सामने एकत्रित हुए एवं काला पट्टी बांधकर विरोध दर्ज किया एवं सभी क्षेत्र के नागरिक व्यापारी जन प्रतिनिधि दुर्ग कलेक्टर जाकर ज्ञापन के माध्यम सेअपना विरोध जताया।

नगर पालिक निगम भिलाई के एमआईसी सदस्य एवं सेक्टर 6 के पार्षद साकेत चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ शासन के आबकारी विभाग द्वारा सेक्टर 6 ए मार्केट में शराब दुकान खोले जाने पर कहा कि ए मार्केट, भिलाई नगर टाउनशिप का सबसे बड़ा एवं प्रमुख बाजार है, जहां पूरे शहर से नागरिक अपने परिवार सहित खरीदारी करने आते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण वाले बाजार के बीचों-बीच शराब दुकान खोलना पूरी तरह अनुचित एवं अव्यवहारिक निर्णय है।

पार्षद चन्द्राकर ने आशंका जताई कि इस निर्णय से बाजार क्षेत्र में अव्यवस्था बढ़ेगी तथा महिलाओं और बच्चों के लिए आवागमन असुरक्षित हो सकता है। इसके साथ ही आसपास के दुकानदारों के व्यवसाय पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व पार्षद सौरभ दत्ता ने कहा कि सेक्टर 6 में मंदिर मस्जिद गुरुद्वारा एवं गिरजाघर है साथी साथ बहुत सारी स्कूल है जहां दुकान स्थापित की गई है वह मुश्किल 100 मीटर में बजरंगबली जी एवं शंकर जी का मंदिर है ऐसे में दुकान खोलना अनुचित है क्षेत्र के खाली मैदानों एवं जर्जर भवनों में पहले से ही असामाजिक तत्वों की गतिविधियां देखी जाती रही हैं। शराब दुकान खुलने से नशाखोरी एवं आपत्तिजनक गतिविधियों में और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मुकेश चंद्राकर, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र परगनिहा, सभापति द्वय केशव बंछोर, गिरिवर बंटी साहू, एमआईसी सदस्य सीजू एंथोनी, लक्ष्मीपति राजू, एकांश बंछोर, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद सुभद्रा सिंह, पार्षद अभय सोनी, सुरेश वर्मा, उमेश साहू वरिष्ठ कांग्रेसी कलाम खान, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अफरोज खान, राकेश ठाकुर, ठरवकनेता आकाश कन्नौजिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, सी.एच. श्रीनिवास राव, गोपाल यादव, संतोष उमरीकर रोजुद्दीन, रामकिशन, राहुल शर्मा, तोषु वर्मा, अभय सिंह, छोटू रजक, प्रेमनाथ, एस.एन. सिंह, सुमित सिंह, डीप सिंह,बीएम सिंह, एस जे कुरैशी, सतनारायण गुप्ता, संदीप कोरी, अजय यादव, आकाश हांडे, सन्नी, अनिल तिवारी, मुकेश, धीरेन्द्र कामत एवं नागरिक गण उपस्थित थे।

हज यात्रियों को दी विदाई, भिलाई में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल, सभी धर्मों के लोगों को दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई-दुर्ग शहर से हज के पवित्र सफर पर रवाना होने वाले हाजियों के सम्मान में शांति नगर स्थित कृष्णा गार्डन में एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर की गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक समरसता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जहां विभिन्न धर्मों के लोगों ने एक साथ मिलकर हाजियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ ट्रांसपोर्टर गनी खान के नेतृत्व में किया गया, जिसमें हजरत बिलाल मस्जिद के सदर शाहिद अहमद (रज्जन) सहित शहर की विभिन्न मस्जिदों के इमाम, सदर और समाजसेवी मौजूद रहे।

इस दौरान वरिष्ठ पार्षद सीजू एंथोनी, छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के अध्यक्ष जसवीर सिंह चहल, पलविंदर सिंह रंधावा, सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, शहनवाज कुरैशी सहित विभिन्न धर्मों के बुद्धिजीवियों ने सहभागिता निभाई।

सभी वक्ताओं ने हज यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुरक्षित और सफल सफर की दुआ की। कार्यक्रम में आपसी भाईचारे, सद्भाव और एकता का संदेश दिया गया, जिसने भिलाई की मिनी इंडिया की पहचान को एक बार फिर मजबूत किया।

हज पर जा रहे सभी यात्रियों के लिए शहरवासियों ने दिल से दुआएं मांगीं और उनके कुशलमंगल की कामना की।

जिसका कोई नहीं, उसका सहारा बनी सर्व समाज कल्याण समिति, लावारिस मृतक का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई ने एक बार फिर अपना सामाजिक दायित्व निभाया। वार्ड-32 बैकुंठ धाम से पार्षद लक्ष्मी धर्मेंद्र दिवाकर द्वारा समिति की हेल्पलाइन पर सूचना दी गई कि मुरली नामक व्यक्ति का निधन हो गया है और उनके परिवार में कोई सदस्य मौजूद नहीं है, जिससे अंतिम संस्कार की व्यवस्था संभव नहीं हो पा रही है।

सूचना मिलते ही समिति की टीम ने तत्काल छावनी थाना दुर्ग से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर मामले की पुष्टि की और समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू को अवगत कराया। निर्देश मिलते ही टीम ने पूरी संवेदनशीलता के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की। 21 अप्रैल 2026 को पोस्टमार्टम के उपरांत मृतक का दुर्ग श्मशान घाट में विधि-विधान के साथ सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। इस कार्य में छावनी थाना दुर्ग पुलिस का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई का उद्देश्य है कि जिसका कोई नहीं, उसका अंतिम संस्कार भी सम्मान के साथ हो। इसी भावना के तहत समिति लगातार निःशुल्क स्वर्ग रथ सेवा, एम्बुलेंस सेवा, बॉडी फ्रीजर और अंतिम संस्कार जैसी सेवाएं जरूरतमंदों को उपलब्ध करा रही है। इस मानवीय पहल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सच्ची सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

निगम में संपत्तिकर भुगतान के लिए नागरिकों को विशेष राहत, अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025.26 में संपत्तिकर भुगतान एवं विवरणी प्रस्तुत करने के लिए नागरिकों को विशेष राहत दी गई है। जिसका अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित कर दिया गया है।

शासन द्वारा जारी निर्देश में बताया गया है कि नगरीय निकायों में संपत्तिकर एवं विवरणी जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित थी, अब नागरिक 30 अप्रैल 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त दंड के संपत्तिकर जमा कर सकेंगे। इसके साथ ही नगरीय निकायों को निर्देशित किया गया है कि कमचारियों द्वारा घर-घर जाकर संपत्तिकर की वसूली की जाए तथा नागरिकों को ऑनलाइन भुगतान के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग समय-सीमा के भीतर कर जमा कर सकें।

वेज रिविजन से पहले बड़ा फैसला या रणनीतिक बदलाव?

सेल में ठेका श्रमिकों पर कसता शिकंजा, हजारों की छंटनी का लक्ष्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) में ठेका श्रमिकों को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है। कंपनी प्रबंधन की ओर से सभी यूनिटों के निदेशक प्रभारी को भेजे गए पत्र में ठेका श्रमिकों की संख्या में कटौती के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इस कदम ने भिलाई सहित सेल की सभी इकाइयों में हलचल मचा दी है।

सूत्रों के अनुसार, भिलाई स्टील प्लांट में पिछले एक वर्ष के दौरान 2568 ठेका श्रमिकों की संख्या कम की जा चुकी है, जबकि चालू वर्ष में 2552 और श्रमिकों को कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस फैसले के बाद ठेका श्रमिकों के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है और इसे रोजगार पर सीधा प्रहार माना जा रहा है।

क्या हैं इसके पीछे के कारण?

प्रबंधन के इस निर्णय के पीछे तीन प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं— पहला, वर्ष 2027 में प्रस्तावित वेज रिविजन को ध्यान में रखते हुए वित्तीय बोझ कम करने की तैयारी।

दूसरा, विभिन्न न्यायालयों द्वारा ठेका श्रमिकों के नियमितीकरण को लेकर दिए गए आदेश, जिनसे भविष्य में कानूनी दबाव बढ़ सकता है।

तीसरा, खदान कानूनों में संभावित बदलाव, जिसके तहत वर्ष 2030 के बाद खदान आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह टेंडर आधारित होने की संभावना है। ऐसे में कंपनियां अपनी लागत संरचना को अभी से नियंत्रित करना चाह रही हैं।

फिलहाल, प्रबंधन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक विस्तृत बयान सामने नहीं आया है, लेकिन अंदरखाने चल रही इस कवायद ने यह साफ संकेत दे दिया है कि आने वाले समय में स्टील सेक्टर में श्रम नीति को लेकर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मजदूर संगठनों का तीखा विरोध

इस फैसले को लेकर श्रमिक संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। बीएकेएस के कार्यकारी अध्यक्ष रणधीर कुमार ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की स्थापना रोजगार सृजन के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन वर्तमान नीतियां उलट दिशा में जा रही हैं। उनका आरोप है कि पहले ही कम वेतन पर काम कर रहे ठेका मजदूरों की नौकरियां छीनी जा रही हैं, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से गंभीर असर डालेगा।

आगे क्या?

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रक्रिया इसी गति से जारी रही तो आने वाले समय में ठेका श्रमिकों की संख्या में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे उत्पादन व्यवस्था, श्रम संतुलन और स्थानीय रोजगार पर भी असर पड़ना तय है।

ग्राम पंचायत सिरसा में परियोजना स्तरीय पोषण पखवाड़ा का किया गया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

परियोजना दुर्ग ग्रामीण के ग्राम पंचायत सिरसा में जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जामुलकर एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में परियोजना स्तरीय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन एवं अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र यादव ने किया। अन्य विशेष अतिथि जनपद सदस्य श्रीमती रजनी साहू ग्राम पंचायत सरपंच भुनेश्वरी कुर्रे पोषण आहार विशेषज्ञ डॉ निशा शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी कुंभकार वेद प्रकाश साहू अर्जुन पटेल हरीओमभोले कुंभकार, पंच संतोष साहू आईसीपीएस की टीम से चंद्रप्रकाश पटेल लोक मणि साहू सीता कन्नौजे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया, अतिथि गण का स्वागत शॉल श्रीफल से किया गया। परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा झा ने बताया कि पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ 9 अप्रैल से शुरू किया गया है जो 23 अप्रैल तक चलेगा इसे दुर्ग ग्रामीण परियोजना के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया जा रहा है। प्रतिदिन अलग-अलग थीम अनुसार केंद्रों में पोषण पखवाड़ा का आयोजन करके प्रतिदिन की एंट्री पोषण पखवाड़ा के साइट में की जा रही है।

जनपद अध्यक्ष ने इस तरह के विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से पोषण व स्वास्थ्य की जानकारी प्रदान करने के लिए विभाग की सराहना की। डॉ. निशा शर्मा ने कुपोषण के कारण को बताते हुए माताओं को पोषण स्तर का ध्यान रखने और बच्चों के खान पान पर विशेष ध्यान देने हेतु जागरूक किया। आईसीपीएस की टीम द्वारा पॉक्सो एक्ट बाल विवाह मुक्त अभियान दहेज प्रताड़ना घरेलू हिंसा अधिनियम मिशन वात्सल्य की विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया।

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट कार्य के लिए पयर्वेक्षक शशि रैदास गीतांजलि भैसारे तृप्ति शर्मा चंद्रकला वर्मा तथा 6 कार्यकर्ताओं एंव 4 सहायिका को सम्मानित किया गया

कार्यक्रम में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन करके विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कुर्सी दौड में प्रथम शारदा मंडारे, द्वितीय संतोषी निषाद तृतीय सुनीता साहू रहीं मटका फोड़ में प्रथम अलका यादव द्वितीय जनता बंछोर रहीं।व्यंजन प्रदशर्नी में भाग लेने वाले सभीप्रतिभागियों को मैडल से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में चार महिलाओं का गोद भराई एवं तीन बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।कार्यक्रम में जेवरा ननकट्टी नगपुरा की कार्यकर्ता सहायिका एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला उपस्थित रहे ।

खास खबर

राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स स्पर्धा के लिए छग जिम्नास्टिक्स टीम का हुआ गठन

भिलाई। जिमनास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में जूनियर एवं सीनियर ओपन नेशनल पुरुष ओर महिला वर्ग के जिमनास्टिक चैंपियनशिप का आयोजन 25 अप्रैल से 3 मई 2026 तक भुवनेश्वर उड़ीसा में होने जा रहा है। जिसके लिए छत्तीसगढ़ स्पोर्ट्स जिमनास्टिक एसोसिएशन द्वारा 12 अप्रैल 2026 को सिलेक्शन ट्रायल स्मृति नगर मंगल भवन में रखा गया था इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छत्तीसगढ़ के टीम का चयन किया गया। चयनित टीम आगामी तिथियों में छत्तीसगढ़ दल का प्रतिनिधित्व करेगा।

अतिथि के रूप में राजीव चौबे अध्यक्ष स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भूतपूर्व मैराथन रनर एवं एसोसिएशन के टेक्निकल कमेटी के सदस्य ताजुद्दीन सर, सह सचिव मुकेश तिवारी, दीपक खोबरागड़े, रजनीकांत शर्मा, संघ के महासचिव शत्रुघ्न शवाई एवं अन्य उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने टीम के सदस्यों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी। जूनियर टीम बॉयज ग्रुप में -जी विजय, येसु बारले, जी तनिष्क, अर्चित वानवे, भूपेंद्र भारती, अक्षय साहनी। वहीं सीनियर बालक ग्रुप में - ए नवीन साईं, युवराज रेड्डी, टुकेश साहू, साइमन आर्मो, दीपक भास्कर एवं प्रयाग निषाद शामिल हैं। जूनियर महिला ग्रुप में एस भव्या है।

बाघों को राहत देने कर रहे हैं पानी की बौछारें

भिलाई। गर्मी बढ़ने के साथ ही मनुष्यों के साथ ही पशु-पक्षी भी हलाकान हो रहा हैं। राज्य के सबसे बड़े चिड़ियाघर मैत्री बाग में संवेदनशील प्राणियों को राहत देने के लिए अलग-अलक किस्म के उपाय किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शहर का तापमान 44 डिग्री पहुंचने के साथ ही इंसानों के साथ बेजुबां भी व्याकुल होने लगे हैं। हालांकि मैत्रीबाग जू में पखवाड़े भर पहले ही प्रबंध पूरे कर लिये गये थे पर उसमें इजाफा किया जा रहा है।

वाइट टाइगर के एनक्लोजर को ठंडा रखने ऊपर से पानी की बौछारें की जा रही हैं। जू में छह सफेद बाघ हैं, जिनका खास ख्याल रखा जा रहा है। इनके खानपान को भी संतुलित कर दिया है। हाजमा बना रहे, इसके लिए खाने में बीफ की मात्रा कम कर दी गई है। वाइट टाइगर के अलावा जू के तीन भालुओं और तेंदुआ के केज के सामने कूलर लगाए गए हैं, ताकि लू के थपेड़ों से बचाया जा सके। खाने में खीरा, तरबूज जैसे पानी व प्रोटीन वाले फल दिए जा रहे हैं। बर्ड्स काम्पलेक्स को भी सेफ जोन में ले लिया गया है। यहां सभी के कैज के बाहर चटाई लगाई गई है ताकि गर्म हवा की झुलसन से बचे रहें।

यह महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन बिल था विपक्ष ने मिलकर सदन में गिराया : राकेश

भाजपा ने जानबूझकर महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर इसके क्रियान्वयन में देरी करने की कोशिश की-बाकलीवाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा द्वारा प्रस्तुत किया गया विधेयक महिला आरक्षण से जुड़ा नहीं था, बल्कि यह परिसीमन बिल था, जिसे विपक्ष ने एकजुट होकर सदन में हरा कर गिरा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण की प्रबल समर्थक रही है और आज भी अपने रुख पर कायम है।

राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा लगातार यह भ्रम फैला रही है कि कांग्रेस और विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन नहीं किया, जबकि सच्चाई यह है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन चुका है।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि 16 अप्रैल 2026 को पेश किया गया विधेयक परिसीमन से संबंधित था, जिसमें लोकसभा सीटों को 850 तक बढ़ाने (815 राज्य, 35 केंद्र शासित प्रदेश) तथा 2011 की जनगणना को आधार बनाने का प्रस्ताव शामिल था। साथ ही पांडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर से संबंधित कानूनों में संशोधन की बात भी रखी गई थी।

दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने सवाल उठाया कि जब नई जनगणना (2026-27) प्रस्तावित है, तो 2011 के पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों किया जा रहा है? उन्होंने यह भी पूछा कि महिला आरक्षण को वर्तमान लोकसभा में ही 33% लागू क्यों नहीं किया जा सकता?

बाकलीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर इसके क्रियान्वयन में देरी करने की कोशिश की है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 लागू होने के बावजूद इसे पूरी तरह लागू करने में 2036 तक का समय बताया जाना महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है।

कांग्रेस के ट्रैक रिकॉर्ड को रेखांकित करते हुए भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि पार्टी ने हमेशा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। 1989 में पंचायत एवं नगर निकायों में 33% आरक्षण की शुरुआत और 1993 में इसे संवैधानिक दर्जा देने का कार्य कांग्रेस सरकार ने किया, जिसके परिणामस्वरूप आज देशभर में 15 लाख से अधिक महिला जनप्रतिनिधि सक्रिय हैं।

दुर्ग ग्रामीण महामंत्री योगिता चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण की मजबूत पक्षधर है, जबकि भाजपा परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है और महिला आरक्षण के नाम पर देश को गुमराह कर रही है। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, पूर्व महापौर आर एन वर्मा, महामंत्री योगिता चंद्राकर, राम सुयर्वंशी, जामवंत गजपाल, जमुना साहू, रायसिंह धिकोला, कन्या ढीमर, आनंद ताम्रकर, गजानंद साहू, हेमा साहू, नासिर खोखर, पालेश्वर ठाकुर, अभिषेक जांगड़े, श्यामाचरण मनहर, सुमित नारंग, आनंद कपूर ताम्रकार, शिशिर कांत कसार, मोहित वालदे, सुनीत घोष, लव सोनी, मोनू साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

नारी सशक्तिकरण के खिलाफ विपक्ष की साजिश उजागर : सुरेंद्र कौशिक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन ऐतिहासिक : भाजपा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर देश की राजनीति में घमासान के बीच भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोकसभा में विपक्षी दलों, खासकर राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस द्वारा अधिनियम के विरोध में मतदान किए जाने से यह पारित नहीं हो सका। इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नाम संबोधन दिया, जिसे भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। इस दौरान महापौर अलका बाघमार, जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री का संबोधन देश की करोड़ों महिलाओं के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का लोकसभा में पारित न होना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन प्रधानमंत्री के संदेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा अपने संकल्प से पीछे हटने वाली नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन केवल भाषण नहीं, बल्कि देश की महिलाओं के लिए एक नया भरोसा और संकल्प है। हम हार मानने वालों में से नहीं हैं। नारी शक्ति का सम्मान और उनके अधिकारों की प्राप्ति हमारा लक्ष्य है, जिसे हम हर हाल में हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कौशिक ने आरोप लगाया कि जब भी देश में बड़े सकारात्मक बदलाव की कोशिश होती है, विपक्ष विरोध का रास्ता अपनाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कार्यप्रणाली फूट डालो और राज करो की नीति से प्रेरित रही है, जहां सुधारों की बात तो होती है, लेकिन उन्हें लागू करने के समय पीछे हट जाते हैं।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, सरिता मिश्रा, राजीव पांडेय, मनोज सोनी, दिनेश देवांगन, रजा खोखर, रजनीश श्रीवास्तव, अविनाश राजपूत, उमेश गिरी, अरविंदर खुराना, उमा भारती साहू, डॉ. भारती साहू, ममता राव, सरिता चंद्राकर, ललित ठाकुर, विनोद चंद्राकर, सन्नी कहार, गौरव शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक निधि से संवरेगा मदरसा, विकास कार्यो की शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सैय्यदी मदरसा एकता नगर में स्थानीय विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा में विकास कार्यों की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने होनहार बच्चों का इस्तकबाल भी किया। इस मदरसे में विधायक निधि से 10 लाख की राशि से निर्माण कार्य होना है। इसकी शुरूआत विधायक कोर्सेवाड़ा व अन्य प्रमुख लोगों की मौजूदगी में हुई। इस दौरान विधायक कोर्सेवाड़ा ने सय्यदी ट्यूशन में पढ़ने वाली फरहत परवीन के सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 93.2% लाने पर 10 हजार रूपए का इनाम देने की घोषणा की।

उन्होंने यहां सैय्यदी ट्यूशन के दो और छात्रों को 10000 देने की घोषणा की। उन्होंने यहां पढ़ने वाले बच्चों के बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद दिलीप पटेल, चरोदा भाजपा अध्यक्ष ए गौरी शंकर, पार्षद चंद्र प्रकाश पांडे, रामकुमार साहू, टी रामना, हाजी मुनीर अहमद शाह, हाजी हामिद खान अशरफी, अब्दुल सत्तार, मस्जिद कमेटी के सदर रुस्तम खान, वर्किंग कमेटी के सदस्यगण रईस अहमद, तौहीद खान, नसीम खान, अजहर खान, आरिफ खान, अबुल हसन, मोहम्मद अली, नौशाद अली, अब्दुल रहमान ठेकेदार, रियाज खान, सिराज खान, फिरोज अहमद खान, अयान शाह, अमान शाह, अदीब शाह, मोहम्मद हसन, वाजिद अंसारी, मोहम्मद गुलजार, मोहम्मद इमरान और मोहम्मद इरफान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हिन्दी फिल्मी गीतों के माध्यम से राजभाषा के प्रसार पर संगोष्ठी का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर सेवाएँ भवन सभागार में 17 अप्रैल 2026 को हिन्दी फिल्मी गीतों का योगदान, राजभाषा के प्रसार में विषय पर एक विचारोत्तेजक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) राघवेन्द्र गर्ग के सानिध्य में अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। संगोष्ठी में अतिथि द्वय के रूप में उप महाप्रबन्धक (एचआर माइंस) यशवन्त कुमार साहू तथा उप प्रबंधक (सं एवं प्रशा-राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी उपस्थित रहे।

यशवन्त कुमार साहू ने अपने विस्तृत एवं सारगर्भित वक्तव्य में वर्ष 1913 से 2023 तक के हिन्दी फिल्मी गीतों, भजनों एवं गजलों के माध्यम से हिन्दी भाषा के प्रसार के विविध आयामों को गहनता से प्रस्तुत किया। उन्होंने हिन्दी भाषा की समावेशी क्षमता को रेखांकित करते हुए बताया कि किस प्रकार फिल्मी गीतों ने जन-जन तक हिन्दी को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संगोष्ठी में वक्तागण केदारनाथ सोनबेर, समरजीत दत्ता, लक्ष्मीनारायण दुबे, आर. शेषाद्रि अय्यर, नन्दकिशोर बोरकर एवं सुश्री वर्चला शर्मा ने क्रमशः 10 से 15 मिनट के अपने पूर्व-पंजीकृत वक्तव्यों में हिन्दी फिल्मी गीतों के माध्यम से अन्तर्राज्यीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के जुड़ाव को विस्तारपूर्वक समझाया। वक्ताओं ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि पुराने हिन्दी फिल्मी गीत कहावतों, मुहावरों एवं भाषा की शुद्धता को समझने का सशक्त आधार प्रस्तुत करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन विभागीय हिन्दी समन्वय अधिकारी मुकुन्द दास मानिकपुरी द्वारा किया गया। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भक्ति एवं प्रेम से ओत-प्रोत संत कबीर के रहस्यमय भजनों को फिल्मी गीतों के माध्यम से समझने में अत्यधिक सहायता मिलती है, जिसका लाभ हिन्दी साहित्य के शोधार्थियों ने प्रभावी रूप से उठाया है। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि कई धार्मिक परम्पराओं एवं पर्वों के अज्ञात या परिवर्तित कारणों को समझने में भी फिल्मी गीत सहायक सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में अतिथियों को सम्मानित किया गया, वक्ताओं को पुरस्कृत किया गया तथा अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाले श्रोताओं को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर महाप्रबन्धक (पीएचडी- प्लानिंग-समन्वय) के के यादव द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में उप प्रबन्धक नन्द किशोर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में 55वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

खिलाड़ियों में जोश और उत्साह, छत्तीसगढ़ के केंद्रीय विद्यालयों से निकटित हुएखिलाड़ी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) में 55वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत से हुआ, जिसके पश्चात विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा बाड़ा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि यह अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना को भी विकसित करते हैं।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात छात्रा नायरा ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया तथा शास्त्रीय गणेश वंदना पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति ने वातावरण को आध्यात्मिक एवं गरिमामय बना दिया। खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करते हुए छात्र लक्ष्य ने सभी प्रतिभागियों को निष्पक्षता एवं खेल भावना की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीलम चंद सांखला ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में विद्यालय की उत्कृष्ट व्यवस्था, शिक्षकों की समर्पित भूमिका एवं उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे शहर के लिए गौरव बताया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सच्ची जीत स्वयं पर विजय प्राप्त करने में है और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने अपनी बात को प्रसिद्ध पंक्तियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया— छिप-छिप अश्रु बहाने वालों, मोती व्यर्थ बहाने वालों, कुछ सपनों के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता है।

रीजनल स्पोर्ट्स मीट के प्रभारी सुरेश कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया, वहीं वरिष्ठ शिक्षिका नीता दास ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में ताइक्वांडो, जूडो, बॉक्सिंग एवं रोलर स्केटिंग (बालक एवं बालिका वर्ग) में छत्तीसगढ़ के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से लगभग 100 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिससे आयोजन में विशेष उत्साह देखा गया।

मुख्य अतिथि नीलम चंद सांखला का व्यक्तित्व अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने वर्ष 1990 में न्यायिक सेवा प्रारंभ की, रायपुर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य किया तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में रजिस्ट्रार जनरल के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। वर्ष 2012 में अखिल भारतीय जैन समाज द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी संजू सांखला भी उपस्थित रहीं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मंच पर प्राचार्य पुष्पा बाड़ा, नीलम चंद सांखला, संजू सांखला, कमल सोनी, सुरेश कुमार, नीता दास, डॉ. अजय आर्य एवं डॉ. श्रावणी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत गुलाब के पौधे एवं शॉल पहनाकर किया गया।

खेल प्रतियोगिता के संचालन में हॉकी विशेषज्ञ जानकी, कोच के रूप में योगेंद्र साहू (ब्लैक बेल्ट) तथा ऑफिशियल के रूप में घनश्याम निर्मलकर, तनु रानी साहू एवं दीपिका साहू की सक्रिय सहभागिता रही। डॉ. अजय आर्य ने खिलाड़ियों से कहा- कोशिश भी कर, उम्मीद भी रख, रास्ता भी खोज, फिर उसके बाद थोड़ा सा मुकद्दर तलाश कर। मंजिलें क्या हैं, रास्ता क्या है? हौसला है तो फिर फासला क्या है? अंत में मुख्य अतिथि द्वारा 55वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की गई, जिसके साथ ही खेल प्रतिस्पर्धाओं का उत्साहपूर्ण आगाज हुआ।

महापौर बाघमार ने खुद भरा गणना पत्रक जनगणना से जुड़ने का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 अप्रैल तक संचालित की जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत नगर निगम दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा आज सुबह अपने परिवार की स्व-गणना कर नागरिकों को प्रेरित किया गया। जिसमे जिला अवसंरचना समन्वयक अमित कुमार ताम्रकार ने की प्रक्रिया को बताया नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना की व्यवस्था आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर 16 से 30 अप्रैल तक उपलब्ध है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया सरल, तेज एवं पारदर्शी बनेगी।

उन्होंने बताया कि पोर्टल में आसान भाषा में प्रश्न दिए गए हैं, जिन्हें मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप के माध्यम से भरकर नागरिक स्व-गणना आईडी प्राप्त कर सकते हैं। इससे जनगणना की प्रक्रिया को गति मिलेगी और समय पर कार्य पूर्ण हो सकेगा। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आगे जानकारी दी कि स्व-गणना की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात 1 मई से 31 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे तथा जनगणना के कार्य को अंतिम रूप देंगे। नगर निगम दुर्ग द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और देश के इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

कृषि मंत्री नेताम ने मिट्टी और बीजों की पूजा की और ट्रैक्टर चलाकर बीजों की बुआई की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्रों और अनुसंधान प्रक्षेत्रों में भी हुआ अक्ती तिहार का आयोजन

कृषि विकास एवं किसान कल्याण कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने आज अक्ती तिहार के अवसर पर ट्रेक्टर चलाकर सीड ड्रील से धान बीज का रोपण किया और बाड़ी में सब्जियों के बीजों की बुआई की। कृषि मंत्री ने अच्छी फसल के लिए धरती माता से प्रार्थना की और गौ माता को चारा भी खिलाया। उन्होंने इस अवसर पर किसानों को उन्नत बीज, खाद एवं कृषि यंत्र भी वितरित किये। अक्ती तिहार का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों, अनुसंधान प्रक्षेत्रों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी किया गया।

मंत्री श्री नेताम इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अक्षय तृतीया के अवसर पर अक्ती तिहार के राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए। मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में माटी पूजन, बीज पूजन तथा ठाकुर देवता की पूजा अर्चना कर खेती किसानी के नए कार्यों की शुरूआत की। समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि हमें कृषि में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करते हुए जैविक खेती की तरफ बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैव उर्वरकों एवं जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है जो मिट्टी और पर्यावरण की सेहत के लिए अधिक सुरक्षित है।

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य शासन द्वारा रासायनिक उर्वरकों को उपयोग को कम करने के लिए सुनियोजित रणनीति बनाई गई है जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय भी तकनीकी सहयोगी के रूप में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अक्ती तिहार धरती के प्रति अपनी कृतिज्ञता प्रकट करने का त्यौहार है। हमें सोचना चाहिए कि प्रकृति से हम

जितना ले रहे हैं उसके बदले में धरती को क्या वापस कर रहे हैं। अक्ती तिहार के अवसर पर खेती किसानी का कार्य शुरू करने के पहले हम धरती माता से प्रार्थना कर उनसे अनुमति लेते हैं तब हल चलाते हैं। धरती माता को जो क्षति होती है उसके लिए हम क्षमा मांगते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में ड्रोन का संचालन करने वाली ड्रोन दीदी श्रीमती फुलेश्वरी निषाद को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एक घरेलू ग्रामीण महिला श्रीमती निषाद ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त कर ड्रोन दीदी के रूप में लोगों की सेवा कर रहीं हैं, यह प्रशंसनीय है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि अक्षय तृतीया को छत्तीसगढ़ में अक्ती के नाम से भी जाना जाता है। आज के दिन हम धरती एवं बीजों की पूजा करते हैं तथा खेती किसानी के कार्य की शुरूआत करते हैं। डॉ. चंदेल ने कहा कि पिछले चार-पांच वर्षों से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अक्ती तिहार का भव्य एवं वृहद स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी अक्ती तिहार का आयोजन किया जा रहा है। किसानों के लिए नवीन बीज बुआई तकनीकी एवं कृषि में ड्रोन का उपयोग तकनीक का प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर द्वारा रासायनिक उर्वरकों का विकल्प विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा किसानों को रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर विभिन्न जैव उर्वरक एवं जैविक खाद के उपयोग की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि नील हरित काई, अजोला, राइजोबियम, एजोटोबैक्टर, एजोस्पाइरिलम, फॉस्फोरस स्थिरीकरण बैक्टीरिया जैसे जैव उर्वरकों तथा हरी खाद के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की कमी पूरी की जा सकती है। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को नील हरित काई तथा अजोला खाद के निर्माण का प्रायोगिक प्रदर्शन भी किया गया। समारोह में संचालक कृषि राहुल देव, मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक महेन्द्र सिंह सवन्नी, छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम के एमडी अजय अग्रवाल, कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. एसएस टूटेजा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डॉ. अजय वर्मा, अपर संचालक कृषि अभियांत्रिकी जीके पीड़िया सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक कृषि वैज्ञानिक तथा बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

खास खबर

सरकार की अकर्मण्यता से छग में भीषण पेयजल संकट, हर घर नल का दावा झूठा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी शुरू होते ही उत्पन्न पेयजल संकट के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि जल जीवन मिशन (JJM) के तहत घर-घर नल पहुंचाने का कार्य पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार में हुआ था लेकिन सरकार बदलते ही पेयजल परियोजनाओं पर ग्रहण लग गया, ठेकेदारों का भुगतान दुर्भावना पूर्वक रोके जाने से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वयन (PHE विभाग की उदासीनता) नहीं हो रहा है जिसके चलते ही रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, जशपुर, बलरामपुर, अंबिकापुर और सूरजपुर सहित पूरे प्रदेश में हाहाकार की स्थिति निर्मित हो गई है। राजधानी रायपुर के 70 में से 35 वार्ड जल प्रभावित हैं, शहर के लगभग आधे हिस्से में पानी की भारी किल्लत है, मरम्मत के अभाव में पाइपलाइन खराब होने के कारण समस्या और बढ़ गई है। टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है, ट्रिपल इंजन सरकार जनता के लिए ट्रबल इंजन साबित हो रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि सरकार के कुप्रबंधन के कारण जल स्तर में भारी गिरावट आई है, जिसके कारण ही गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। वनों की अंधाधुंध कटाई, अवैध रूप से भूजल का अत्यधिक दोहन, उद्योगों को प्राथमिकता देने की वजह से बांध और ऐनीकट तेजी से खाली हो रहे हैं। अप्रैल के महीने में ही कई इलाकों में 300-400 फीट नीचे भी पानी नहीं है, जिससे ग्रामीण ढोढ़ी का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हैंडपंप और बोरवेल जवाब दे रहे हैं, पुराने बोरवेल का उचित रखरखाव तक नहीं कर पा रही है सरकार। जल जीवन के तहत भी जहां 80 से 90 प्रतिशत काम हो चके है वहां पर भी सरकार ने काम रोक दिया है जिसमें जनता को लाभ नही मिल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि इस साल पर्याप्त वर्षा और जलाशय में पुरी क्षमता के स्टोर के बावजूद सरकार की कॉर्पोरेट परस्त नीतियों की वजह से डैम का पानी तेजी से खाली हो रहा है। वर्तमान स्थिति में राज्य के 46 में से 32 डैमों में पिछले वर्ष की तुलना में कम पानी है, और 20 डैमों में जलस्तर 25 प्रतिशत से नीचे गिर गया है, सरकार की प्राथमिकता आम जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि उद्योगों को जल के दुरुपयोग की खुली छूट देना है। नदी नालों पर कॉरपोरेट का एकाधिकार हो गया है, औद्योगिक अपशिष्ट से पेयजल दूषित हो रहा है और यह सरकार सोई हुई है।

सहकर्मियों ने देवनारायण को दी सेवानिवृत्त पर बधाई

राजनांदगांव। समीपस्थल ग्राम भोथीपार खुर्द में राजराम में प्रोडक्ट इंचार्ज देवनारायण साहू को 60 वर्ष पूर्ण करने पर श्रमिकों ने विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें श्री साहू को स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। अध्यक्ष राष्ट्रीय ग्लुकोज स्टार्च केमिकल मजदूर संघ योगेन्द्र दास वैष्णव सभी श्रमिकों जानकारी दी कि कंपनी में हड़ताल होने पर कंपनी को चालू रखने में योगदान के कारण कारखाना मालिक ने इंचार्ज बनाया 38 साल कार्य करने उपरांत आज सेवानिवृत्त हुए जिससे अन्य श्रमिकों को प्रेरणा लेना चाहिए। उनके उज्वल भविष्य कामना और दीर्घायु होने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कुशल कार्य, ईमानदारी, सरल स्वभाव तथा बिना भेदभाव के श्रमिकों के साथ मधुर व्यवहार रहा है। उनके निज निवास में ढोल और बाजे के साथ कन्हारपुरी पहुंचाया गया। परिवारजनों ने भी उनका आत्मिय स्वागत किया। इस अवसर पर इंचार्ज अब्दुल नईम शेख, तेज प्रकाश, दीपक, दिलीप साहू, युवराज साहू, टाईम कीपर तेजराम पटेल, उपसरपंच महाराजपुर नागेश साहू, गार्ड सतीश, पुनीत, विरेन्द्र साहू, श्रमिक डामन दास वैष्णव, अमर लाल साहू और थनवार साहू सहित सैकड़ों श्रमिक गण उपस्थित रहे।

ट्रैफिक सिग्नल में प्रतीक्षा करने वालों को अब तेज धूप और बारिश में नहीं होगी परेशानी, चौराहों में बनेंगे प्रतीक्षा शेड

सुभाष ब्लाक सतनामी समाज व किन्नर समाज को मिलेंगे उनके अपने भवन, 2 स्थानों पर भवनों के निर्माण का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शहर के चौक-चौराहों में लगे ट्रेफिक सिग्नल के लाल होने के कारण नागरिको वाहन चालकों के रूकने के समय तेज धूप व बारिश के पानी से अब परेशानी नही होगी क्योंकि निगम शहर के ट्रेफिक सिग्नल वाले प्रमुख चौक-चौराहों में प्रतीक्षा शेड का निर्माण करा रहा है। रविवार को प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने सीएसईबी चौक में 32 लाख 30 हजार रूपये की लागत से बनने जा रहे 02 प्रतीक्षा शेड के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

कोरबा शहर के विभिन्न चौक. चौराहों में आवागमन व्यवस्था सुचारू बनाये रखने के मद्देनजर ट्रेफिक सिग्नल स्थापित किये गये हैं इन चौक-चौराहों से गुजरने वाले नागरिकों, वाहन चालकों को ट्रेफिक लाल होने के समय रूक कर प्रतीक्षा करनी होती है जिससे विशेष रूप से तेज धूप व बारिश के दौरान उन्हें परेशानी होती है। नागरिकों, वाहन चालकों को इस परेशानी से छुटकारा दिलाने हेतु नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में सड़क के ऊपर प्रतीक्षा शेड बनाये जाने की योजना बनाई गई है। प्रारंभ में सीएसईबी चौक में 02 नग प्रतीक्षा शेड बनाये जायेंगे जिनका भूमिपूजन रविवार को उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के करकमलों से सम्पन्न हुआ तथा प्रतीक्षा शेड का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, मुकुंद सिंह कंवर, धनकुमारी गर्ग, ममता यादव, सिमरनजीत कौर, नारायण लाल कुर्रे, प्रभा टीकम राठौर, रूबी देवी सागर, मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर एवं योगेश मिश्रा, सुशील गर्ग, शैलेन्द्र सिंह, पप्पी प्रफुल्ल, तिवारी नरेन्द्र, पाटनवार, गुलजार सिंह, आर पी खाण्डे, आर डी भारद्वाज, मालती देवी, दूजराम मिलन, विमला निराला, लक्ष्मीन खाण्डे, द्रौपदी मिरी धनबाई, विमला कुर्रे, अनिता बंजारे, सुफल महिलांगे, संतोष टण्डन, छतराम खुंटे, संतोष सुमन, सुरेन्द्र राजवाडे, आशीष द्विवेदी, हेमंत देवांगन, विजय गुप्ता, मनोज सिंह, दिनेश कुमार, दीपक यादव, फुलगिरी गोस्वामी, गुलशन सोनी, गणेश भवसागर, गिरधारी रजक, लक्ष्मी महाराज आदि के साथ काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

आमजन को गर्मी, बरसात में नही होगी परेशानी

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि चौक-चौराहों पर सड़क के ऊपर प्रतीक्षा शेड बन जाने से गर्मी की तेज धूप व बारिश के पानी से अब आमनागरिकों वाहन चालकों को परेशानी नही होगी महापौर श्रीमती राजपूत का यह कार्य सराहनीय है जो उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। कोरबा शहर के सड़कों के डामरीकरण की चर्चा करते हुये उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शहर की सभी सड़कों के डामरीकरण नवीनीकरण हेतु शासन द्वारा राशि स्वीकृत किये जाने के बाद निविदा आदि की कार्यवाही पूरी कर ली गई है।

2 प्रमुख सड़कों के डामरीकरण का भूमिपूजन भी किया जा चुका है किन्तु ईरान इजरायल युद्ध के परिणाम स्वरूप डामर मिलने में अत्यंत कठिनाई हो रही है ठेकेदारों को डामर नहीं मिल पा रहा है इसके कारण डामरीकरण कार्य मे देरी हो रही है, उन्होने कहा कि जैसे ही डामर की उपलब्धता बनेगी तेजी के साथ शहर की सड़कों का कायाकल्प कर दिया जायेगा। उन्होने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के आशीर्वाद से कोरबा मे विकास कार्यों हेतु धनराशि की कोई कमी नहीं हो रही तथा कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है।

उद्योग मंत्री की प्रेरणा से बन रहे प्रतीक्षा शेड

महापौर श्रीमती राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की प्रेरणा से मेरे मन में विचार आया कि सिग्नल के दौरान चौक-चौराहों में रूकने के दौरान तेज धूप व बारिश से आमलोगों को होने वाली परेशानी से कैसे छुटकारा दिलाया जाय तब चौक-चौराहों में प्रतीक्षा शेड निर्माण की योजना बनी जिसके प्रथम चरण में सीएसईबी चौक में 32 लाख 30 हजार रूपये की लागत से 02 प्रतीक्षा शेड बनेंगे इसके बाद दूसरे प्रमुख चौक-चौराहों पर भी शेडों का निर्माण होगा उन्होने बताया कि सीएसईबी चौक में आमनागरिकों की सुविधा हेतु सर्वसुविधायुक्त शौचालय भी बनाया जा रहा है वहीं चौक में स्थित पुराने जर्जर प्रतीक्षालय के स्थान पर सर्वसुविधायुक्त आधुनिक व वातानुकूलित प्रतीक्षालय का निर्माण भी कराया जायेगा।

सतनामी समाज व किन्नर समाज को मिलेंगे उनके अपने भवन

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत द्वारा सुभाष ब्लाक जैतखंभ के पास सतनामी समाज के लिये 15 लाख रूपये की लागत से बनने जा रहे सामुदायिक भवन एवं हेलीपेड के पास किन्नर समाज के लिये 10 लाख रूपये से बनने जा रहे भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा में 52 समाजों के लिये उनके अपने भवन निर्मित कराये गये हैं तथा आज लगभग सभी समाजों के लिये उनके अपने भवन उपलब्ध हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाये भाजपा सरकार - दीपक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर निंदा प्रस्ताव लाये जाने के मुख्यमंत्री के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा को निंदा प्रस्ताव लाना है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ और केन्द्र सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव ले आये। भाजपा एक ऐसा विधेयक जो संसद के दोनो सदनों में पारित हो गया है तथा जिस पर राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर कर दिया तथा वह कानून का रूप ले चुका है। उस पर झूठ बोल कर भ्रम फैला रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को लागू नहीं करने के लिये मुख्यमंत्री मोदी की दुर्भावना के लिये निंदा प्रस्ताव ले आये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महिलाओं को आरएसएस भाजपा में लंबे समय तक उपेक्षित रखने तथा उनके बारे में दोयम दर्जे का विचार रखने के लिये आरएसएस एवं भाजपा के खिलाफ निंदा प्रस्ताव आना चाहिये। कांग्रेस ने इस देश की पहली महिला मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति और पहली लोकसभा अध्यक्ष से लेकर अनेक अवसर दिया। भाजपा ने तो केवल महिलाओं का अपमान किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महिला आरक्षण की आड़ में दुर्भावना पूर्वक लाए गए परिसीमन बिल के गिरने को लेकर सरकार भ्रम फैलाने विधानसभा में कथित निंदा प्रस्ताव लाकर झूठ का नया प्रपंच रच रही है। इवेंटजीवियों भाजपाइयों का राजनैतिक पाखंड देश और प्रदेश की महिलाएं समझ चुकी है। महिला आरक्षण सितंबर 2023 में ही सर्व सम्मति से पास हो चुका है, जिसे 31 महीने तक लटकाए रखने के बाद विगत 16 अप्रैल 2026 को रात को 9:55 पर सरकार ने अधिसूचना जारी किया, जनगणना और परिसीमन की बाध्यता के नाम पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के लाभ को अनिश्चित काल तक रोक रखने का पाप तो केंद्र की मोदी सरकार ने रोक रखा है।

वर्तमान 543 सीटों पर एक तिहाई 182 सीटों पर तत्काल महिला आरक्षण लागू करे सरकार, आगे जिस अनुपात में सीटें बढ़ेंगी उस संख्या पर 33 प्रतिशत बढ़े लेकिन काल्पनिक आधार पर बहानेबाजी क्यों? क्या साय सरकार विशेष सत्र बुलाकर मोदी सरकार के राजनैतिक पाखंड पर निंदा प्रस्ताव पास करेगी? क्या निंदा परिसीमन बिल के षड्यंत्र पर लाएगी सरकार?

विशेष ग्रामसभा का आयोजन 24 को

दुर्ग। पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 24 अप्रैल को विशेष ग्राम सभा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

निधन

अरविंद चतुर्वेदी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सेवानिवृत मुख्य महाप्रबंधक (मार्केटिंग) अरविंद चतुर्वेदी का मंगलवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 22 अप्रैल को कल्पकृति परिसर, रिसाली स्थित निवास से निकलेगी और सुबह 11 बजे रिसाली मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। वे अपने पीछे पत्नी ममता चतुर्वेदी, पुत्रद्वय प्रशांत चतुर्वेदी (बिन्नी) एवम निशांत चतुर्वेदी (चिक्की) सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

मोदी सरकार महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती, वह महिलाओं को ठग रही

रंजीत रंजन व कांग्रेस की महिला विधायकों की पत्रकार वार्ता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन एवं महिला विधायकों ने पत्रकार वार्ता लेकर महिला आरक्षण को लेकर भाजपा की दुर्भावना पर कड़ा प्रहार किया। राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन ने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक झूठ बोल रहे है। भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को लेकर लगातार झूठा भ्रम फैलाया जा रहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया, इसलिए संसद में बिल पास नहीं हो सका। महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023) 128 वां संविधान संशोधन सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस पर हस्ताक्षर कर चुकी है तथा यह कानून भी बन चुकी है।

भाजपा 2023 के आरक्षण बिल को क्यों लागू नहीं कर रही है? इस बिल के आधार पर तुरंत आरक्षण प्रभावी हो सकता है। भाजपा ने 16 अप्रैल 2026 को जो विधेयक संसद में प्रस्तुत किया 131 वां संविधान संशोधन अधिनियम इसमें महिला आरक्षण के संदर्भ में नहीं भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को पास करवाना चाहती थी।

राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन ने कहा कि संसद में जो विधेयक गिरा उसमें इस विधेयक में लोकसभा परिसीमन की सीटें 850 करने का प्रस्ताव था राज्यों में 815 सीटें तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 35 सीटें। परिसीमन विधेयक- जिसमें परिसीमन के लिये 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात की गयी थी। विधेयक में पांडुचेरी, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर के कानूनों में संशोधन की बात की गयी थी ताकि परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक लागू किया जा सके। जब

2026-27 की जनगणना शुरू है तथा सरकार जाति जनगणना की भी बात कर चुकी है तो जनगणना के बाद आये नये आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों नहीं कराया जा रहा?

राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन एवं महिला विधायकों ने कहा कि महिला आरक्षण बिल को यदि तुरंत लागू करना है तो परिसीमन का इंतजार किए बिना वर्तमान सदस्य संख्या में ही 33 प्रतिशत का आरक्षण क्यों नहीं देना चाहती सरकार? कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल इसके लिए तैयार है। सरकार 2023 के महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन कर महिला आरक्षण को तुरंत लागू कर सकती थी उसने ऐसा क्यों नहीं किया? जबकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जो कानून बन चुका है 2034 से मूर्त रूप लेगा संशोधन से तुरंत लागू हो जाता। भाजपा की मंशा महिला आरक्षण की नहीं अपने मनमुताबिक सीटों के परिसीमन की थी जो विपक्षी दलों की एकजुटता से पूरा नहीं हो चुका।

राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन एवं महिला विधायकों ने कहा कि पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिल रहा तो यह भी कांग्रेस की नीतियों से संभव हो पाया। सबसे पहले राजीव गांधी ने 1989 के मई महीने में पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। वह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में पास नहीं हो सका। अप्रैल 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश किया। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। महिलाओं के लिए संसद और राज्यों की विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। कांग्रेस की सरकारों के प्रयास से ही आज देशभर में पंचायतों और नगरपालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। सीटों के परिसीमन का भाजपा का षड्यंत्र विफल हो गया है, अतः वह महिला आरक्षण के नाम पर पूरे देश में भ्रम फैला रही है।

पत्रकार वार्ता में विधायक गण अनिला भेड़िया, अंबिका मरकाम, संगीता सिन्हा, सावित्री मंडावी, चातुरी नंद, शेषराज हरवंश, हर्षिता बघेल, कविता प्राण लहरे, विद्यावती सिदार, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत, प्रीति उपाध्याय, प्रगति वाजपेयी उपस्थित थे।

संपादकीय

देश का चुनाव नहीं हो रहा तो आपत्ति क्यों

देश का विपक्ष पीएम मोदी व भाजपा को गलत साबित करने का मौका ढूंढता रहता है। इसके लिए वह पीएम मोदी कुछ भी करते हैं या कहते हैं तो उसकी कोशिश यह बताने की रहती है कि देखो पीएम मोदी ने यह गलत किया है,यह गलत कहा है। वह सोचते हैं कि विपक्ष के नाते वह जो कुछ भी आरोप लगाते हैं, उसे चुनाव आयोग हो या और कोई संस्था वह उसे सही मान ले और कहे कि पीएम मोदी ने गलत किया है, पीएम मोदी से गलत कहा है। कानून कायदा विपक्ष को मालूम है तो पीएम मोदी को भी मालूम है और यह भी मालूम है कि वह कभी कुछ गलत करेंगे या कहेंगे तो विपक्ष उसे बड़ा मुद्दा बनाने का प्रयास करेगा। इसलिए वह कुछ भी कहने व करने से पहले सावधान रहते हैं कि उनके किसी काम को विपक्ष गलत न ठहरा सके, उसे गलत न बता सके।

विपक्ष पीएम मोदी के खिलाफ कहता तो बहुत कुछ है, आरोप तो लगाता रहता है लेकिन एक भी बार भी वह पीएम मोदी को गलत साबित नहीं कर सका है। पीएम मोदी व राहुल गांधी में यही फर्क है कि राहुल गांधी जब बोलते हैं तो उनको पता नहीं रहता है कि उनके बोलने से उनको, कांग्रेस व विपक्ष को क्या नुकसान होगा लेकिन पीएम मोदी बोलते हैं तो उनको पता रहता है कि वह क्या बोल रहें है,इससे न तो पीएम मोदी,न भाजपा और न ही सरकार को कोई नुकसान होता है इस बार माकपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की है कि पीएम मोदी ने मौजूदा चुनाव अवधि के दौरान दूरदर्शन का इस्तेमाल पक्षपातपूर्ण राजनीतिक भाषण के लिए किया जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।

माकपा ने पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन की शिकायत की है और कहा है कि ऐसे वक्त में जब तमिलनाडु व पं.बंगाल में आदर्श आचार संहिता लागू है,पीएम का राष्ट्र के नाम संबोधन एक राजनीतिक प्रचार के समान था इसी तरह कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भी पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर आरोप लगाया है कि उन्होंने अधिकारिक संबोधन को राजनीतिक भाषण में बदल दिया उन्होने इसे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग लोकतंत्र व भारत के संविधान का अपमान बताया है। माकपा व कांग्रेस आरोप लगाते वक्त यह भूल जाते हैं कि चुनाव इस वक्त देश में नहीं हो रहे हैं। चुनाव पांच राज्यों में से तीन में हो चुके हैं और दो राज्यों तमिलनाडु व पं.बंगाल में 23 अप्रैल व 29 अप्रैल को होने हैं और पीएम मोदी ने अपने भाषण में न तो तमिलनाडु का नाम लिया और न पं.बंगाल का नाम लिया।

उनकी सरकार ने संसद में देश की महिलाओं को संसद में आरक्षण देने के लिए एक संशोधन विधेयक लाया था और विपक्ष से आग्रह किया था कि यह महिलाओं का हक है, महिलाओं को दिया जाना चाहिए, विपक्ष इसमे सहयोग करके महिलाओं को उनका अधिकार देने वाला बने। यह देश की महिलाओं को उनका हक देने का ऐतिहासिक काम था, यह काम विपक्ष के असहयोग से नहीं हो सका ऐसे में देश की महिलाओं को बताना जरूरी था कि मोदी सरकार उनके लिए क्या करना चाहती और वह ऐसा क्यों नही कर सकी। पीएम मोदी ने अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में यही किया है। उन्होंने तो यह कहा ही नहीं कि तमिलनाडु व पं. बंगाल की महिलाएं चुनाव में किसी को वोट दें या किसी को वोट न दें।

पीएम मोदी ने महिलाओं से माफी मांगी है कि उनको जल्द आरक्षण देना चाहते थे, कांग्रेस व विपक्ष के कारण नहीं दे सके। देश के लिए कोई ऐतिहासिक काम सरकार करती है तो पीएम मोदी देश को संबोधित करते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने देश को संबोधित किया है तो एक ऐतिहासिक अवसर का लाभ न उठा पाने के कारण किया है। विपक्ष चुनाव हारने के डर से चुनाव आयोग व मोदी सरकार पर चुनाव के दौरान ही आरोप लगाने लगता है ताकि वह चुनाव हारने के बाद कह सके कि देखो हम तो पहले से कह रहे थे कि पीएम मोदी व भाजपा चुनाव आयोग,सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव जीतते हैं, इस बार भी उन्होंने यही किया है। विपक्षी दल चुनाव आयोग से कुछ भी शिकायत करते हैं और अपेक्षा करते हैं कि वह उसे गंभीरता से ले वह नहीं लेता है तो चुनाव आयोग सरकार समर्थक हो जाता है विपक्ष की आदत से देश की जनता वाकिफ है, इसलिए वह विपक्ष के आरोपों को कभी गंभीरता से नहीं लेती है।

बच्चों का भविष्य हमारी थाली में हैं : पोषण, परवरिश और जीवनशैली का समग्र दृष्टिकोण

सुश्री नमिता पाण्डेय, पोषण सलाहकार, (यूनिसेफ)

सुश्री नमिता पाण्डेय आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पोषण से आगे : समग्र विकास की जिम्मेदारी

पारंपरिक आहार : समाधान की मजबूत नींव

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुनः रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है।

पहले 1,000 दिन : भविष्य की नींव

वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहाँ मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं।

'7 स्टार भोजन थाली' : संतुलित पोषण का सरल मॉडल

'7 स्टार भोजन थाली' एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें विभिन्न पोषक तत्वों अतिरिक्त कैलोरी प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, तरल पदार्थ और विटामिन की पर्याप्त मात्रा का समावेश कर माँ और बच्चे दोनों के लिए आवश्यक पोषण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएँ न केवल माँ को प्रभावित करती हैं, बल्कि बच्चे के जन्म के समय वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मस्तिष्क विकास पर भी गहरा असर डालती हैं।

आदतों में बदलाव से बनेगा बेहतर कल

पोषण पखवाड़ा हमें यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य कोई सीमित समय का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर विकसित होने वाली संस्कृति है। यह संस्कृति हर घर की रसोई, हर स्कूल के टिफिन और हर मोहल्ले के खेल मैदान में विकसित होती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी प्राथमिकताओं को बदलें मोबाइल से मैदान की ओर, जंक फूड से पारंपरिक आहार की ओर और लापरवाही से जागरूकता की ओर। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही सशक्त छत्तीसगढ़ और समृद्ध भारत की सबसे मजबूत नींव है।

छग सरकार की आबकारी नीति बनाम जनभावना

भिलाई सेक्टर-6 ए में शराब दुकान—क्या सरकार अपनी ही गाइडलाइन से भटक रही है?

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ शासन की आबकारी (शराब) नीति स्पष्ट रूप से यह संकेत देती है कि शराब दुकानों की स्थापना ऐसे स्थानों पर होनी चाहिए, जहां जनसुरक्षा, सामाजिक संतुलन और स्थानीय वातावरण प्रभावित न हो। आमतौर पर इन नीतियों में यह भी उल्लेख रहता है कि स्कूल, धार्मिक स्थल (मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा), और घनी आबादी वाले संवेदनशील क्षेत्रों के निकट शराब दुकान खोलने से बचा जाए। उद्देश्य स्पष्ट है—राजस्व के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संतुलन बनाए रखना।

लेकिन भिलाई के सेक्टर-6 ए मार्केट में प्रस्तावित शराब दुकान इन सिद्धांतों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। यह क्षेत्र न केवल शहर का सबसे व्यवस्थित और व्यस्त व्यापारिक केंद्र है, बल्कि एक ऐसा स्थान भी है जहां परिवार, महिलाएं और विद्यार्थी बड़ी संख्या में आते हैं। ऐसे में यहां शराब दुकान खोलने का निर्णय शासन की घोषित नीतियों से मेल नहीं खाता। इस मुद्दे पर भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल, पार्षद साकेत चंद्राकर और व्यापारी नेता ज्ञानचंद जैन एवं स्थानीय व्यवसाययो द्वारा विरोध इस बात को और मजबूत करता है कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जनभावनाओं से जुड़ा प्रश्न है।

यहां एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है—भिलाई इस्पात संयंत्र की भूमिका। जानकारी

नीति एक, निर्णय दूसरा : आबकारी नीति के बीच सेक्टर-6 ए मार्केट भिलाई में शराब दुकान खोलने पर विवाद उठते तीखे सवाल

के अनुसार, संयंत्र प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र में शराब दुकान के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) प्रदान किया गया है। सवाल यह है कि यह ठडड किन आधारों पर दिया गया? क्या इसमें सामाजिक प्रभाव, कमर्चारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा, और आसपास के शैक्षणिक व व्यावसायिक माहौल का आकलन किया गया? या यह केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गई?

भिलाई को मिनी इंडिया और एक उभरते एजुकेशन हब के रूप में भी पहचान मिली है। देशभर से छात्र यहां पढ़ाई और करियर निर्माण के लिए आते हैं। ऐसे शहर में, जहां अनुशासन और प्रगतिशील वातावरण उसकी पहचान है, वहां इस तरह के निर्णय शहर की छवि और माहौल दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

सरकार स्वयं यह कहती है कि उसकी नीतियां जनहित को सवीपरि मानती हैं—जनता की तकलीफ ही सरकार की तकलीफ है। ऐसे में यह निर्णय उस मूल भावना के विपरीत दिखाई देता है। यदि नीतियों में स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं, तो उनका पालन भी उतनी ही गंभीरता से होना चाहिए। यह विरोध केवल एक दुकान का नहीं, बल्कि नीति और नीयत के बीच के अंतर का है। सवाल यह नहीं कि शराब दुकान क्यों, बल्कि यह है कि कहां और किस आधार पर?

जब सरकार अपनी ही बनाई नीतियों से भटकती हुई दिखे, तो समाज का कर्तव्य है कि वह सवाल उठाए। भिलाई जैसे शहर में, जहां व्यवस्था और संस्कार उसकी पहचान हैं, वहां निर्णय भी उसी के अनुरूप होने चाहिए—न कि उसके विपरीत।

नीति वही सही, जो जनहित में हो—राजस्व नहीं, समाज सर्वोपरि।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून के तौर पर मौजूद है लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून के तौर पर मौजूद है टेक्निकली, नारी शक्ति वंदन अधिनियम—ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल—पहले से ही भारतीय कानून का एक अहम स्तंभ है। 20 सितंबर, 2023 को लोकसभा में पास हुआ और अगले दिन राज्यसभा से पास हुआ, यह कानून संसद के पांच दिन के खास सेशन का नतीजा था। बहस लंबी थी : लोकसभा में साठ स्पीकर और राज्यसभा में सत्तर स्पीकर खड़े हुए ताकि एक ऐसे भविष्य का समर्थन किया जा सके जहां भारत की एक-तिहाई कानूनी सीटें महिलाओं के पास हों। 454 MPs ने इसके पक्ष में वोट किया; सिर्फ दो ने इसके खिलाफ वोट दिया। जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 सितंबर, 2023 को अपनी मंजूरी दी, तो संवैधानिक चक्र बंद हो गया।

यह बात ध्यान में रखने के बाद, पिछले शुक्रवार को लोकसभा में जो जोरदार कानूनी नाटक देखा गया, उसका कोई खास मतलब नहीं था। लगभग नौ सौ दिन पहले ही भारी मंजूरी मिलने के बाद किसी विषय पर दोबारा विचार करना न केवल संसदीय संसाधनों पर बल्कि भरोसे पर भी असर डालता है। यह समझ से बाहर की बात है, क्योंकि इसे पहले ही राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है और यह 106वां अमेंडमेंट बन गया है और यह बेकार की दिखावटी पॉलिटिक्स के अलावा और कोई काम नहीं करता। हम साफ कर दें: कानून मौजूद है; बस कमी है इसकी भावना को जीने की इच्छा की।

अगर हम बात करें 2024 के आम चुनावों और उसके बाद हुए राज्य चुनावों को देखें, तो पार्लियामेंट की बातों और पॉलिटिकल सच्चाई के बीच का अंतर बहुत बड़ा है। 2023 में जोरदार तालियों के बावजूद, किसी भी बड़ी नेशनल पार्टी ने एक्ट में सोची गई 33% भावना के हिसाब से भी महिला उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारा। 2024 के लोकसभा चुनाव में, कुल उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या बहुत कम और दयनीय 10% थी। शायद सिर्फ तृणमूल कांग्रेस ने ही लगातार बाजी मारी है, जो अक्सर अपने नॉमिनेशन में 33% के निशान के पास या उससे ऊपर रही है। बाकी के लिए, "जीतने की क्षमता" का तर्क पेट्रियार्की या उससे भी बदतर चीजों के लिए एक आसान आवरण बना हुआ है। हमें यह भी साफ कर देना चाहिए कि आज पार्टियों को अपनी मर्जी से कोटा लागू करने से कोई नहीं रोक रहा है।

जैसा कि कहा जाता है, सुधार जरूरी तौर पर घर से ही शुरू होने चाहिए। किसी पार्टी की कैंडिडेट लिस्ट उसके अंदरूनी डेमोक्रेसी और सोशल जस्टिस के लिए उसके कमिटमेंट की सबसे सच्ची झलक होती है। बिना ज़्यादा समय बर्बाद किए, भारत की पॉलिटिकल पार्टियों को अपनी बात पर अमल करना चाहिए, जिसकी शुरुआत BJP से होती है। इस बिल को मंजूरी दिलाने वाली गवर्निंग पार्टी होने के नाते, सबूतों का बोझ निश्चित रूप से मुख्य रूप से उन्हीं पर है। भविष्य के लिए कानून बनाना और अभी के हालात पर पूरी तरह से काबू रखना लीडरशिप नहीं है; यह टालमटोल करने की एक तरकीब है। 18वीं लोकसभा बैठ चुकी है, और 19वीं भी आने ही वाली है। "टेक्निकल" पास होने का समय खत्म हो गया है; असली रिप्रेजेंटेशन का समय अभी है।

अर्थ डे स्पेशल – कौन इस ग्रह को बचा सकता है?

अर्थ डे स्पेशल धरती एक ज़िंदा चीज है। क्या आपको लगता है कि यह धरती, जिसमें इतने तरह के जीवन हैं, बस एक बेजान चीज है? यह होश में है। यह ज़िंदा है। ज़िंदगी, ज़िंदगी से ही शुरू होती है और उसी से चलती है। भारतीय सभ्यता समेत सभी पुरानी सभ्यताओं ने धरती, नदियों, सूरज, चांद, पेड़ों और पहाड़ों को पवित्र माना। उन्हें भगवान का रूप माना जाता था। हमें इस सोच को फिर से जगाने की जरूरत है कि धरती पवित्र है। जब आप किसी चीज को पवित्र मानते हैं, तो उसके प्रति आपके मन में गहरी श्रद्धा, जागरूकता आती है। अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक होना हमारे लिए नैचुरल है। जब हम अपनी प्रकृति से दूर जाने लगते हैं, तभी हम अपने पर्यावरण को गंदा करना और कम समय के फायदों के लिए उसका इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। हमें प्रकृति का सम्मान करने और उसे बचाने की पुरानी प्रैक्टिस को फिर से शुरू करने की जरूरत है।

हमें अपनी आध्यात्मिक जड़ों पर ध्यान देना चाहिए, और इस जागरूकता को फिर से जगाना चाहिए। हमें उस इंसानी सोच को समझना चाहिए जो किसी को पर्यावरण के प्रति बेपरवाह और अनजान बनाती है, और यह भी कि क्या चीज उसे उसकी देखभाल करने और उसका ख्याल रखने वाला बनाती है। अगर आपके अंदर दया और देखभाल की भावना जगे, तो यह इस बात में दिखता है कि हम पर्यावरण के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, और पवित्रता की भावना पैदा होती है। संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए, हमें धरती के साथ अपनेपन की भावना विकसित करनी होगी; पेड़ों, लोगों और नदियों को अपना मानना ??होगा; और प्रकृति और लोगों में भगवान को देखना होगा। एक संवेदनशील व्यक्ति प्रकृति के बारे में चिंतित हुए बिना नहीं रह सकता। आपको यह बताने के लिए नियमों की जरूरत नहीं है कि आप जिस नदी की पूजा करते हैं उसे गंदा न करें। आपको उस पेड़ को काटने से रोकने के लिए नियमों की जरूरत नहीं है जिसे आप प्रणाम करते हैं।

जब आप किसी चीज को पवित्र मानते हैं, तो आप उसका शोषण नहीं करते। इसके बजाय, आप उसकी रक्षा करते हैं, आप उसकी देखभाल करते हैं, आप उसका सम्मान करते हैं। आध्यात्मिकता जिम्मेदारी जगाती है – खुद के लिए, दूसरों के लिए, और धरती के लिए। यह हमारे पर्यावरण के प्रति ज्यादा संवेदनशीलता लाती है। जब हम अपनी प्रकृति से दूर जाने लगते हैं, तभी हम प्रकृति को गंदा करना शुरू करते हैं। यही वह चीज है जिसे हमें वापस पाना चाहिए, सिर्फ. परंपरा के लिए नहीं, बल्कि हमारे धरती के भविष्य के लिए।

प्रदूषण सिर्फ.फैक्ट्रियों या गाड़ियों से ही शुरू नहीं होता, बल्कि मन से भी शुरू होता है, जब वह स्ट्रेस, नेगेटिविटी और लालच से भरा होता है। ऐसे मन में अपने एनवायरनमेंट का ध्यान रखने के लिए सेंसिटिविटी या अवेयरनेस नहीं होती। वह अपने एम्बिशन को पूरा करने के लिए लगातार दौड़ता रहता है। जो मन किसी चीज का आदर नहीं करता, वह हर चीज को तोड़ेगा। ज्यादा पाने का लालच, काम में लापरवाही, और नतीजों की परवाह न करना इसी अंदर की गरीबी से आता है।

हम अक्सर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के जरिए एनवायरनमेंट को बचाने की बात करते हैं। सस्टेनेबल डेवलपमेंट वह है जो किसी भी प्रोजेक्ट के लॉन्ग-टर्म असर और फायदों को ध्यान में रखता है। लॉन्ग-टर्म विजन के बिना नैचुरल रिसोर्स को नष्ट करने से इकोलॉजी नष्ट हो जाएगी, जो जीवन का असली सोर्स है। डेवलपमेंट का मकसद और इरादा जीवन को सपोर्ट करना, उसे फिर से ज़िंदा करना, और बनाए रखना, और जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। तब डेवलपमेंट का प्रोसेस ही प्लैनेट और उसके रिसोर्स को बचाने की एक सोची-समझी कोशिश बन जाएगा। सस्टेनेबिलिटी की जरूरत गहरी अवेयरनेस से पैदा होनी चाहिए। सिर्फ.आदर ही अवेयरनेस को एक्शन में बदलता है। जब कोई इंसान सिर्फ. दिमागी तौर पर ही नहीं, बल्कि इमोशनली और स्पिरिचुअली भी सेंसिटिव हो जाता है, तो वह हल्के-फुल्के तरीके से चलना, समझदारी से इस्तेमाल करना और कम बर्बादी करना शुरू कर देता है। जब हम इस पवित्र ग्रह को बचाने की दिशा में काम करते हैं, तो हमें नेचर से बहुत कुछ सीखना है। आप नेचर का जितना ज़्यादा सम्मान करेंगे, उस पर उतना ही ज़्यादा ध्यान देंगे, आप इन सीखों को काम करते हुए देखेंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप किसी जंगल में जाते हैं, तो आप देखेंगे कि उसमें बहुत सारे जानवर रहते हैं, लेकिन वे इंसानों की तरह उस जगह पर गंदगी नहीं फैलाते।

अगर आप नेचर को देखें, तो उसमें मौजूद पाँचों एलिमेंट एक-दूसरे के खिलाफ हैं; जानवरों की दुनिया में ऐसी स्पीशीज हैं जो एक-दूसरे के दुश्मन हैं– और फिर भी नेचर में एक परफेक्ट बैलेंस है। केंचुए इस बात का एक परफेक्ट उदाहरण हैं कि नेचर कैसे कचरे को पचाती है और उसे रीसायकल करती है। लेकिन जब हम अंधाधुंध इस्तेमाल, जंगलों की कटाई और रिसोर्सेज के दोहन से इस बैलेंस को बिगाड़ते हैं, तो हम नेचर को बाढ़, सूखे और क्लाइमेट चेंज के साथ जवाब देने के लिए मजबूर करते हैं। द आर्ट ऑफ लिविंग में, हमने दुनिया भर में प्रोजेक्ट्स किए हैं– 75 नदियों और सहायक नदियों को फिर से ज़िंदा करना, 100 मिलियन से ज़्यादा पेड़ लगाना, नैचुरल खेती और इको-कॉन्शियस ज़िंदगी को बढ़ावा देना। और यह सब आध्यात्मिक रास्ते पर चलते हुए साधक में बढ़ती संवेदनशीलता और जागरूकता में निहित है। इस आध्यात्मिक जागरूकता के बिना, काम सतही रह जाते हैं। जब आप प्रकृति का सम्मान करते हैं और उसकी पवित्रता को बनाए रखने के लिए काम करते हैं, तो प्रकृति धरती पर आपकी मौजूदगी का जश्न मनाती है।

पुलिस जन मित्र योजना की शुरुआत : जनता के साथ मिलकर अपराध पर लगाम की तैयारी

सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर चलाई जा रही है व्यापक जन-जागरूकता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 'पुलिस जन मित्र योजना' का शुभारंभ किया है। दुर्ग पुलिस की इस पहल का उद्देश्य पुलिस और आम नागरिकों के बीच संवाद, विश्वास और सहयोग को मजबूत करना है, ताकि कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सके।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा थाना सुपेला एवं खुर्सीपार क्षेत्र में इस योजना की औपचारिक शुरुआत की गई। योजना के तहत नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उन्हें सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जागरूक किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल सुरक्षा, महिला सुरक्षा, नशा उन्मूलन, सूने मकानों की सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर व्यापक जन-जागरूकता चलाई जा रही है। पुलिस टीम द्वारा पोस्टर, पंपलेट और जनसंपर्क के माध्यम से हेल्पलाइन नंबर 1930 (साइबर फ्रॉड), 1091 (महिला सुरक्षा), 1933 (नशा नियंत्रण) और 1033 (यातायात) की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस योजना से आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता, बेहतर समन्वय और अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नागरिकों को सीधे जोड़कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है।

इस अभियान के सफल संचालन में थाना सुपेला और खुर्सीपार के पुलिस अधिकारियों एवं कमर्चारियों की सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से संवाद स्थापित किया।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे

इस योजना से जुड़कर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि एक सुरक्षित और जागरूक समाज का निर्माण किया जा सके।

खास खबर

महिला आरक्षण पर भाजपा की नीयत उजागर, तुरंत लागू हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम – भागवत साहू

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष भागवत साहू ने केंद्र सरकार और भाजपा पर महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद भी नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू नहीं किया जा रहा है जिससे महिलाओं के साथ-साथ पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज को भी भ्रमित किया जा रहा है।

श्री साहू ने आगे कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने महिला आरक्षण विधेयक का शुरू से समर्थन किया है लेकिन भाजपा इसे लागू करने में अनावश्यक देरी कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद अब इस कानून को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। यदि सरकार इसी तरह टालमटोल करती रही तो पूरा ओबीसी समाज इसका विरोध करेगा। उन्होंने ने कहा कि 2011 की जनगणना को आधार बनाकर परिसीमन की बात करना भी कई सवाल खड़े करता है।

देश की आबादी, सामाजिक संरचना और क्षेत्रीय परिस्थितियों में लगातार बदलाव आया है ऐसे में पुराने आंकड़ों के आधार पर निर्णय लेना न्यायसंगत नहीं होगा। श्री साहू ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक केवल कानून नहीं बल्कि देश की आधी आबादी को राजनीति में समान भागीदारी देने का संकल्प है। भाजपा यदि वास्तव में महिला हितैषी है तो उसे बिना किसी बहाने के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तुरंत लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं, पिछड़ों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। जनता अब भाजपा की कथनी और करनी का अंतर समझ चुकी है।

आईजी राव ने ली बैठक : लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण और पुलिसिंग में कसावट के निर्देश

राजनांदगांव। राजनांदगांव रेंज में कानून व्यवस्था और लंबित प्रकरणों की स्थिति को लेकर मंगलवार को अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बालाजी राव, पुलिस महानिरीक्षक रेंज राजनांदगांव ने रेंज के सभी जिलों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक रेंज राजनांदगांव में आयोजित इस बैठक में लंबित अपराध, मर्ग, गुमशुदगी, शिकायतें, मोटरयान अधिनियम के प्रकरण, विभागीय जांच, सामुदायिक पुलिसिंग और न्यायालय में लंबित दावा-आपत्ति मामलों की गहन समीक्षा की गई। आईजी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गंभीर मामलों में तेजी लाते हुए जांच की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

बैठक में वाय.पी. सिंह (मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), अंकिता शर्मा (राजनांदगांव), धर्मेंद्र सिंह (कबीरधाम) और लक्ष्य शर्मा (खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा गीता वाधवानी और नवी मोनिका पांडे ने भी बैठक में भाग लिया। आईजी ने विशेष रूप से सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने, आमजन से संवाद बढ़ाने और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया। साथ ही मोटरयान अधिनियम के तहत प्रभावी कार्रवाई कर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि न्यायालयीन प्रकरणों में लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। कुल मिलाकर, बैठक में पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह, सक्रिय और परिणाममुखी बनाने पर जोर दिया गया।

अवैध प्लाटिंग पर भिलाई नगर निगम का बुलडोजर बाउंड्रीवाल ध्वस्त, जमीन बेचने का खेल हुआ बेनकाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ नगर निगम ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए जमीन के काले कारोबार पर चोट की है। नगर पालिक निगम भिलाई की टीम ने जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में कार्रवाई कर अवैध रूप से बनाई गई बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर दिया।

यह कार्रवाई वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं स्थानीय नागरिकों से मिली शिकायत के बाद की गई। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर राजस्व विभाग और बेदखली दल की संयुक्त टीम ने वार्ड क्रमांक 20 के बाबादीप सिंह नगर क्षेत्र में मौके पर पहुंचकर जांच की। निरीक्षण में सामने आया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा खाली पड़ी जमीन पर बाउंड्रीवाल बनाकर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इतना ही नहीं, मुरूम डालकर प्लॉट काटे गए थे और उन्हें बेचने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई थी।

निगम की टीम ने बिना देरी किए जेसीबी के माध्यम से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया और मौके से संबंधित सामग्री भी जब्त कर ली। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में हलचल मच गई और अवैध जमीन कारोबारियों में हड़कंप देखा गया।

निगम का सख्त संदेश

नगर निगम ने साफ किया है कि शहर में अवैध प्लाटिंग और कब्जे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी।

नागरिकों से अपील

निगम प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी जमीन की खरीद-फरोख्त न करें। संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल निगम को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई बनाने के दावे के बीच यह कार्रवाई संकेत दे रही है कि अब अवैध प्लाटिंग के खिलाफ सख्ती और बढ़ेगी।

बागडूमर सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव फेल, दामिनी पद पर बरकरार

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नंदिनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बागडूमर में मंगलवार को सरपंच के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बहुमत के बावजूद पारित नहीं हो सका। निर्धारित दो-तिहाई समर्थन नहीं मिलने से सरपंच सुश्री दामिनी साहू अपने पद पर बनी रहेंगी।

जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल की सुबह 11:40 बजे से दोपहर 1:50 बजे तक तहसीलदार राधेश्याम वर्मा की मौजूदगी में पंचायत भवन में विशेष बैठक आयोजित की गई। इस दौरान गांव के 15 से 20 लोगों की उपस्थिति में सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। ग्राम पंचायत बागडूमर, जिसमें आश्रित ग्राम सेमरिया भी शामिल है, कुल 17 वार्डों वाली पंचायत है। मतदान के दौरान 12 पंचगण उपस्थित रहे, जबकि 5 पंच अनुपस्थित रहे। मतदान के बाद हुई मतगणना में कुल 12 मतपत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 11 मत अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में और 1 मत विपक्ष में पड़ा।

हालांकि, नियमानुसार प्रस्ताव पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक होता है, जो इस मामले में पूरा नहीं हो पाया। इसी कारण अविश्वास प्रस्ताव खारिज कर दिया गया और सरपंच दामिनी साहू अपने पद पर यथावत बनी रहेंगी। बैठक के दौरान प्रशासनिक अमला मौजूद रहा और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

नंदिनी खुंदिनी में शीतला मंदिर में आभूषणों की चोरी

नंदिनी अहिवारा। ग्राम नंदिनी खुंदिनी के पुराना शीतला मंदिर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर माता जी के आभूषण और दान पेटी में रखी नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश और दहशत का माहौल है। मंदिर समिति के सदस्य और स्थानीय किसान ने बताया कि 20 अप्रैल 2026 की रात करीब 8 बजे गांव के अर्जुन यादव द्वारा मंदिर में पूजा-अर्चना कर ताला लगाया गया था। अगले दिन 21 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5 बजे, गांव के नारायण पटेल ने मंदिर का ताला टूटा होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि मंदिर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। चोरी हुए सामान में माता जी के गले से सोने का 7 पत्ती वाला हार (लगभग 7 ग्राम), चांदी का करधन (लगभग 3 तोला) और मंदिर की दान पेटी तोड़कर पीछे फेंकी गई, जिसमें करीब 500-1000 रुपये नगद थे। कुल चोरी की अनुमानित कीमत लगभग 30,000 रुपये बताई जा रही है। मामले की सूचना संबंधित थाने में दे दी गई है। अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच की मांग की गई है। आसपास के क्षेत्रों में भी तलाश की गई, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

आधुनिक खेती के संग एग्रो टूरिज्म का अनोखा संगम : दुर्ग जिले का प्रेरणादायक मॉडल

कृषि पत्रकारिता और व्यवहार कौशल के तहत शैक्षणिक भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के धमधा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम गोड़ी में एग्रो टूरिज्म और आधुनिक खेती का एक अनोखा एवं प्रेरणादायक मॉडल विकसित हुआ है, जो ग्रामीण विकास की नई दिशा तय कर रहा है। यहां कृषि और पर्यटन का ऐसा समन्वय देखने को मिलता है, जो किसानों के लिए आय के नए स्रोत और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित कर रहा है।

छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय, धनोरा के अंतिम वर्ष के छात्र पुष्येन्द्र प्रताप सिंह ने कृषि पत्रकारिता एवं व्यवहार कौशल विषय के प्रायोगिक अध्ययन के अंतर्गत इस फार्म का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने फार्म संचालक प्रगतिशील किसान हितेश वरू से मुलाकात कर आधुनिक खेती की तकनीकों और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी खेती की शुरुआत मात्र 5 एकड़ भूमि से की थी। निरंतर मेहनत, नवाचार और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से आज उनका फार्म लगभग 150 एकड़ तक विस्तारित हो चुका है, जो उनकी दूरदर्शिता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस एग्रो टूरिज्म केंद्र में पर्यटकों के लिए मड बाथ (मृदा स्नान), ट्रैक्टर राइड, वाटर पार्क, स्विमिंग पूल एवं विभिन्न

एडवेंचर गतिविधियों जैसी आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, आगंतुकों को सब्जी तुड़ाई एवं खेती के कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव भी कराया जाता है, जिससे वे ग्रामीण जीवन और कृषि प्रणाली को नजदीक से समझ पाते हैं। फार्म में मौसमी सब्जियों के साथ-साथ अमरूद का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है, जो किसानों के लिए आय का एक मजबूत स्रोत बनकर उभरा है।

इस मॉडल के माध्यम से न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। शहरों से आने वाले लोग यहां प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने के साथ-साथ खेती और ग्रामीण जीवन से जुड़ी नई जानकारियां प्राप्त कर रहे हैं। विशेष रूप से बच्चों के लिए यह स्थान एक एजुकेशनल हब के रूप में विकसित हो रहा है, जहां वे प्रकृति, खेती और ग्रामीण संस्कृति का व्यावहारिक ज्ञान हासिल कर रहे हैं। यह पहल आधुनिक कृषि और पर्यटन के सफल समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो आने वाले समय में अन्य किसानों और उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है।

नन्हे बच्चों के मधुर गायन और सुर-ताल पर सधे नृत्य से जीवंत हुआ भारत का सांस्कृतिक विरासत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

इंटैक दुर्ग-भिलाई अध्याय और अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देश्यीय संस्था का संयुक्त आयोजन

विश्व विरासत दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देश्यीय संस्था और इंटैक दुर्ग-भिलाई अध्याय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आ अब लौट चले का आयोजन मैत्री विद्या निकेतन भिलाई में किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के गायन, वादन और नृत्य कौशल को मंच प्रदान कर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. भूपेन्द्र कुलदीप, कुलसचिव हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग थे तथा अतिविशिष्ट अतिथि श्रीमती राजअम्मा एवंसजीव, निदेशक मैत्री विद्या निकेतन थे।

मुख्य अतिथि डॉ. भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह है कि बच्चे गायन, वादन और नृत्य के माध्यम से देशभक्ति और शाश्त्रीय संगीत में अपनी कौशल का प्रदर्शन करेंगे और सभी की प्रतिभा का सम्मान होगा, प्रथम, द्वितीय और तृतीय की प्रतिस्पर्धा ना होने से सभी प्रतिभागी विजयी होगें। इस उत्कृष्ट सोच के लिये आयोजक बधाई के पात्र है।

सम्मानीय अतिथि राजअम्मा ने कहा कि यह महत्वपूर्ण आयोजन मैत्री विद्या निकेतन के सभागार में हो रहा है, यह अत्यंत गौरव की बात है भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिये संस्था कटिबद्ध है। श्री सजीव ने कहा कि देशभक्ति एवं शाश्त्रीय गायन, वादन और नृत्य के माध्यम से बच्चें भारत की गौरवशाली संस्कृति को मंच पर प्रस्तुत करेंगे। आज रैम्प और रिमिक्स के जमाने में देशभक्ति और शाश्त्रीय कला को जीवंत रखने के लिये ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण है।

अखिल भारतीय उत्कृष्ट समूह की अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजिका श्रीमती शानु मोहनन ने कहा कि उत्कृष्ट समूह का उद्देश्य हमेशा ऐसे आयोजन करना होता है, जिसमें कोई सार्थक पहल हो। इस कार्यक्रम में पांच साल से पंद्रह साल तक के बच्चे केवल देशभक्ति एवं शाश्त्रीय गायन, वादन और नृत्य की प्रस्तुति देंगे, इससे बच्चों में भारत की अमूल्य धरोहर यहाँ की कला और संस्कृति से परिचित होंगे और प्रतिस्पर्धा ना होने के कारण बच्चे उन्मुक्त भाव से अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इंटैक दुर्ग-भिलाई की संयोजिका डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण भारतीय सांस्कृतिक निधि का मुख्य उद्देश्य है। सांस्कृतिक धरोहर के संवहक के रुप में बच्चों में देशभक्ति भावना का विकास करना तथा भारतीय शाश्त्रीय संगीत एवं नृत्य कला के प्रति जागरुकता एवं सम्मान उत्पन्न करना है।

श्रवण डिंगा ने अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरं की की-बोर्ड में सुन्दर प्रस्तुति दी, दीपा सोनी ने राम आएँगे तो कुटिया सजाउंगी गाकर सुन्दर प्रस्तुति दी, रिया एवं आन्वी चन्द्राकर ने पियानो में मेरी झोपडी के भाग खुल जाएँगे की मनमोहक प्रस्तुति दी, प्रणव गुप्ता ने पियानो में ए मेरे वतन के लोगों की प्रस्तुति से सभागार में सभी की आंखे नम हो गई, सावि खण्डेलवाल बोलो राम-राम-राम भजन गाकर सभागार को भक्तिमय कर दिया, एनी टेटे ने तेरी है जमीन तेरा आसमान गीत से अपनी गायन कौशल का परिचय दिया, ईशिका दलाई एण्ड समूह ने भरतनाट्यम की सुन्दर प्रस्तुति दी। तान सेन संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थी अनिशा अग्रवाल, श्रव्या जैन, जिविका जासुजा और माहिरा जैन ने त्रिशुल बीट्स में कहते है हमको दुनिया वालो सुनो गौर से दुनिया वालो नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति दी,बी. पलक ने एकल शाश्त्रीय नृत्य एवं स्वाधीन जैन, प्रज्ञान, प्रज्ञांस, कनक सोनी, एवं निकिता ने शाश्त्रीय समूह ने सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया, नित्यांजली एवं समूह, तान सेन संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थी ने अर्थि गिरि नन्दनी नन्दितमेदिनी की सुन्दर प्रस्तुति दी। अंतिम प्रस्तुति विद्या साहू का शाश्त्रीय गायन तारो को तोड न छोड़ीगी थी। इनके अलावा अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

इस तरह मंच पर बच्चों ने गायन वादन एवं नृत्य की विभिन्न भारतीय शैलियों को प्रस्तुत कर भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक ही मंच पर साकार कर दिया। बच्चों के साथ आये उनके पालक गण एवं गुरुओं ने इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में मंच संचालन कुमारी आध्या मिश्रा एवं कुमारी आकांक्षा ने किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिलाषा मिश्रा, पुष्पा चौव्हान, भारती, उमा नायर, तब्बसुम, सोनम गुप्ता, विश्वास तिवारी ने विशेष सहयोग दिया।

आयुष्मान खुराना की पहली फिल्म विक्की डोनर ने पूरे किए 14 साल

निर्देशक शुजित सरकार ने सिनेमा में कई यादगार फिल्में दी हैं और ज्यादातर वे अपनी एक्सपेरिमेंटल फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच खास पहचान रखते हैं। इन्हीं में से एक 2012 में रिलीज फिल्म विक्की डोनर है, जिसने हास्य और मनोरंजन के साथ दर्शकों को एक गहरा सामाजिक संदेश भी दिया था। सोमवार को फिल्म ने रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम के जरिए यादें ताजा कीं। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की एक क्लिप शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'फिल्म विक्की डोनर के रिलीज के 14 साल पूरे।' यह फिल्म आयुष्मान और यामी गौतम के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि यह फिल्म दोनों की डेब्यू फिल्म थी। दोनों ने विक्की डोनर के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित मनोरंजक और हल्की-फुल्की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई की थी। इस फिल्म ने 'सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। फिल्म को इतना पसंद किया गया था कि इसे साल 18 अप्रैल 2025 में फिर से सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया था। हिंदी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म स्पर्म डोनेशन जैसे सामाजिक टैबू विषयों पर आधारित थी। शुजित सरकार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अन्नू कपूर ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म ने भारत में स्पर्म डोनेशन के बारे में एक खुली चर्चा शुरू की और इसे एक मुख्यधारा के विषय के रूप में स्थापित करने में मदद की।

मिला था राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

पहली बार बने माता-पिता

अभिषेक पाठक और शिवालिका ओबेरॉय के घर आई नन्ही परी

बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर अभिषेक पाठक और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की। इस कपल ने बेबी गर्ल का स्वागत किया है। पहली बार माता-पिता बनने की खुशी को कपल ने अपने फैंस के साथ साझा किया। जिसके बाद से बधाइयों की झड़ी लग गई। बेटी के जन्म की खुशी को अभिषेक और शिवालिका ने एक साथ सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। उन्होंने लिखा, ''एक ही पल में हमारी जिंदगी का मतलब बदल गया है और अब हमारा दिल एक नए प्यार से भर गया है। बहुत सारे प्यार और आभार के साथ, हम अपनी प्यारी बच्ची का स्वागत करते हैं।'' इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''19 अप्रैल 2026... हमारी छोटी देवी 'लक्ष्मी' एक शुभ दिन पर आई है। यह हमारे जीवन का सबसे खूबसूरत आशीर्वाद है। इस खास मौके पर कई सेलिब्रिटीज ने भी कपल को शुभकामनाएं दीं। एक्ट्रेस इशिता दत्ता ने कमेंट करते हुए उन्हें बधाई दी और प्यार भरे इमोजी साझा किए। वहीं आहना कुमरा ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कपल को इस नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा, कई फैंस और फिल्मी सितारों ने कमेंट सेक्शन में बधाइयां भेजी। बता दें कि इस कपल ने दिसंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट करते हुए उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें से एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को गले लगाए नजर आए थे और शिवालिका ने छोटे-छोटे बेबी सॉक्स हाथ में पकड़े हुए थे। वहीं दूसरी तस्वीर में दोनों क्रिसमस ट्री के सामने खड़े थे और एक ऑर्नामेंट पकड़ा हुआ था, जिस पर लिखा था कि उनका बच्चा 2026 में आने वाला है। अभिषेक और शिवालिका की लव स्टोरी की बात करें तो, दोनों की मुलाकात फिल्म 'खुदा हाफिज' के सेट पर हुई थी, जिसमें विद्युत जामवाल मुख्य भूमिका में थे। काम के दौरान दोनों करीब आए और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया।

क्यों मां नहीं बनना चाहती थीं पत्रलेखा?

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने किया खुलासा

एक्ट्रेस पत्रलेखा बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। अब हाल ही में उन्होंने मां बनने को लेकर अपनी भावनाओं पर बात की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। राजकुमार राव की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में मां बनने के बाद वे पब्लिक में नजर आई थीं, जिसके बाद कुछ लोगों ने मां बनने के बाद उनमें हुए बदलावों को लेकर ट्रोल किया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने एक स्टोरी के जरिए उन्हें कड़ा जवाब दिया था। अब एक्ट्रेस ने अपने मां बनने के अनुभव पर खुलकर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने कहा, 'मैं हमेशा सोच रही थी। शायद मैं मां नहीं बनना चाहती थी। शायद आपको कभी-कभी समझ नहीं आता। लेकिन अब मेरा बच्चा मेरे साथ है, जो काफी अच्छी फीलिंग है। मुझे लगता है मैं अपने इस वक्त अपने बेस्ट वर्जन में हूं।

पत्रलेखा की डेब्यू फिल्म बतौर प्रोड्यूसर

बता दें कि पत्रलेखा ने हाल ही में 'टोस्टर' फिल्म को प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म थी। मूवी 15 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। पत्रलेखा ने पहली बार मूवी प्रोड्यूस करने पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'हां, प्रोड्यूसर बनना एक शानदार और कठिन काम है। लेकिन ये सबसे जरूरी चीज मेरे साथ हुई है, वो है मां बनना। और ये सबसे महान अनुभव है।'

दूसरी बार पिता बने एटली

बेटी के जन्म पर अनन्या पांडे-काजल अग्रवाल समेत तमाम सेलेब्स ने दी बधाई

फिल्ममेकर एटली और उनकी पत्नी कृष्णा प्रिया के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, उनके परिवार में एक नन्ही परी का जन्म हुआ है। इस खुशखबरी को एटली और प्रिया ने अनोखे अंदाज में साझा किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया। इस खबर के बाद से फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

कपल ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को साझा करते हुए एक पोस्टर साझा किया, जिसमें एक बच्चा टॉय कार के ऊपर बैठा नजर आ रहा है। इस पोस्टर पर लिखा है, ''ये हुई ना बात, मुझे एक छोटी बहन मिल गई है! बड़ा भाई मीर।'' इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया और फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई सितारों ने भी उन्हें दिल खोलकर प्रतिक्रिया दी। एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने एटली और प्रिया को ढेर सारी बधाइयां दीं और कमेंट में लिखा, ''बहुत बहुत बधाइयां'' काजल अग्रवाल ने लिखा, ''माता-पिता, दादा-दादी और सबसे बढ़कर मीर को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं। एटली और कृष्णा प्रिया की यह दूसरी संतान है। इससे पहले दोनों के घर बेटा मीर का जन्म हुआ था और अब बेटी के आने से उनका परिवार और भी खुशहाल हो गया है। अगर एटली और कृष्णा प्रिया की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों की मुलाकात उस समय हुई थी जब एटली अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे और अपनी पहली फिल्म 'राजा रानी' पर काम कर रहे थे। उसी दौरान कृष्णा प्रिया भी टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं। दोनों की पहली मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी और यहीं से उनकी बातचीत की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे यह बातचीत दोस्ती में बदल गई और फिर प्यार हो गया। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे के संघर्ष के दौर को करीब से देखा और एक-दूसरे का साथ दिया। 'राजा रानी' की सफलता ने एटली के करियर को नई दिशा दी।

मुनमुन दत्ता ने बताया समर मॉर्निंग स्किन का राज

पेट की सेहत के लिए शेयर किए खास देसी ड्रिंक

गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपनी सेहत को लेकर ज्यादा सतर्क हो जाते हैं। खासतौर पर इस मौसम में पाचन संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं, इसलिए खानपान पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में कई सेलेब्रिटीज भी अपने हेल्दी रूटीन को फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। इसी कड़ी मैटीवी की जानी-मानी अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब खूब चर्चा में है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीताका किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बना चुकीं मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि वह सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते की झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मुनमुन छाछ से कुछ बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहतरीन ड्रिंक बता रही हैं। इसे बनाते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज और हरा धनिया समेत कई चीजों को मिलाया। इसके अलावा, मुनमुन ने एक तस्वीर के जरिए एक और खास ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, ''यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है।'' मुनमुन दत्ता अपने फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम और योग से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका मानना है कि फिट रहने के लिए एक्सरसाइज के साथ-साथ सही खानपान भीउतना ही जरूरी है।

जीनत अमान ने बताया

'दम मारो दम' का किस्सा, कहा- 'आरडी. बर्मन की वजह से बदला डुएट का फैसला'

पुराने दौर के सितारे जब अपनी यादों का पिटारा खोलते हैं, तो दर्शकों को सिर्फ किस्से ही नहीं, बल्कि उस दौर की खूबसूरती भी देखने को मिलती है। खासकर जब बात 70 के दशक की हो, तो हर कहानी में एक अलग ही जादू छिपा होता है। इस कड़ी में बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने मशहूर गाने 'दम मारो दम' को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया और दिवंगत गायिका आशा भोसले को अपनी सफलता की शुरुआत करार दिया। साथ ही गाने से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया, जिसमें आरडी. बर्मन ने डुएट के फैसले को बदल दिया था। जीनत अमान ने इंस्टाग्राम पर 'दम मारो दम' गाने की एक छोटी सी क्लिप साझा की। इस वीडियो में उनका पुराना अंदाज, बेफिक्र स्टाइल और शानदार एक्सप्रेशन नजर आ रहे हैं। वीडियो में उनका किरदार जेनिस यानी जसबीर एक अलग ही दुनिया में खोई दिखाई देती है। इस वीडियो को साझा करते हुए जीनत अमान ने कैप्शन में लिखा, 'काश मैं फिर से 19 साल की हो पाती, जब मैं नई-नई थी, कुछ नया करने की चाहत थी और अपने बड़े मौके के बिल्कुल करीब थी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में आगे लिखा, 'हे भगवान। क्या ये वर्षों का असर है। 'दम मारो दम' की शूटिंग की यादों को मेरे दिमाग में एक धुंधली, लेकिन खूबसूरत याद बना दिया है। मैंने इस गाने की शूटिंग की कहानी पहले भी साझा की है, इसलिए यह पोस्ट आशा भोसले जी की याद में है। जैसा कि मैंने अपनी पिछली पोस्ट में बताया था, उन्होंने मुझे मेरी सफलता का संगीत दिया, और इसकी शुरुआत इसी गाने से हुई। ' जीनत ने कैप्शन में एक दिलचस्प किस्सा भी बताया। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में 'दम मारो दम' को पहले एक डुएट के रूप में गाने की योजना थी, जिसे आशा जी की बड़ी बहन लता मंगेशकर और दमदार गायिका उषा उत्थुप गाने वाली थीं। लेकिन, आरडी. बर्मन के इस गाने को लेकर विचार कुछ और ही थे। उन्हें लगा कि इस गाने के लिए आशा जी की खास आवाज ही सही रहेगी। ' पोस्ट के आखिर में जीनत ने कहा, ''खैर, मैं इस गाने से जुड़ी अपनी पुरानी पोस्ट को अपनी स्टोरी में साझा कर रही हूं। फिलहाल आप इस क्लिप का आनंद लें। अगर आपके पास भी 'दम मारो दम' से जुड़ी कोई याद है, तो कमेंट में जरूर साझा करें। मुझे बेहद खुशी होती है, जब मैं आप सभी के अनुभव और मेरी फिल्मों से आपका जुड़ाव पढ़ती हूं। मुझे पूरा यकीन है कि आप में से सैकड़ों महिलाओं ने किसी न किसी बॉलीवुड थीम पार्टी में जेनिस/जसबीर की तरह जरूर तैयार होकर हिस्सा लिया होगा।'' 'दम मारो दम' की बात करें, तो यह साल 1971 में आई फिल्म 'हरे राम हरे कृष्णा' का लोकप्रिय गाना है। इस फिल्म में देवानंद और जीनत अमान मुख्य भूमिका में थे। यह गाना खासतौर पर जीनत अमान पर फिल्माया गया था और यह उनके करियर के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया। इस गाने को आशा भोसले ने अपनी आवाज दी, जबकि इसका संगीत आरडी. बर्मन ने तैयार किया और गीत आनंद बख्शी ने लिखे थे।

मम्मा कहने पर भड़कीं श्रुति हासन

एक्ट्रेस और सिंगर श्रुति हासन हाल ही में मुंबई में पैपराजी पर बुरी तरह भड़क गईं। यह वाकया एक रेस्टोरेंट के बाहर हुआ, जहां श्रुति डिनर के लिए पहुंची थीं। शख्स ने उन्हें 'मम्मा' कहकर बुलाया, ये सुनते ही श्रुति का पारा चढ़ गया और उन्होंने तुरंत वहां अपना गुस्सा उतार दिया। घटना के वीडियो में श्रुति हासन जब रेस्टोरेंट से बाहर निकलकर अपनी कार की तरफ बढ़ रही थीं, तभी वहां मौजूद फोटोग्राफर्स ने उन्हें कवर करना शुरू कर दिया। इसी बीच भीड़ में से किसी ने उन्हें 'मम्मा' कहा। श्रुति इसी बात पर बिफर गईं। वीडियो में श्रुति काफी गुस्से में नजर आ रही हैं। उन्होंने तुरंत पैपराजी की तरफ मुड़कर पूछा, 'कौन है मम्मा? तुम्हारी मम्मा है? क्या बक रहे हो तुम?' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी कार चेक की और बिना पोज दिए तुरंत वहां से निकल गईं।

जनगणना 2027 : जिले में स्व-गणना प्रक्रिया शुरू, कलेक्टर और एसएसपी ने किया ऑनलाइन पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत जिले में स्व-गणना (सेल्फ ऐनुमैरेशन) प्रक्रिया का शुभारंभ किया गया है। इस नई व्यवस्था के अंतर्गत नागरिकों को पहली बार ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी भरने की सुविधा दी गई है, जिससे जनगणना कार्य अधिक पारदर्शी, सरल और तेज हो सके।

स्व-गणना कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना स्व-गणना प्रपत्र भरा गया। इसी क्रम में एसएसपी रामकृष्ण साहू द्वारा भी स्वयं ऑनलाइन स्व-गणना प्रक्रिया पूर्ण की गई। दोनों अधिकारियों की इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल माध्यम से इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

स्व-गणना की ऑनलाइन सुविधा एवं प्रक्रिया

नागरिकों के लिए जनगणना संबंधी जानकारी भरने हेतु विशेष पोर्टल उपलब्ध कराया गया है। एक मोबाइल नंबर से केवल एक ही स्व-गणना फॉर्म भरा जा सकता है। यह सुविधा प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। फॉर्म भरने के बाद एक यूनिक आईडी प्राप्त होगी, जिसे प्रगणक को दिखाना आवश्यक होगा। यदि कोई नागरिक स्व-गणना नहीं कर पाता है, तो प्रगणक 1 से 30 मई 2026 के बीच घर-घर जाकर जानकारी संकलित करेंगे।

जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित

प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जनगणना के दौरान दी गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे

बिना किसी झिझक के सही एवं सटीक जानकारी प्रदान करें।

डिजिटल प्रणाली से सटीक जनगणना का लक्ष्य

इस पूरी प्रक्रिया में डिजिटल तकनीक का उपयोग कर सटीक एवं विश्वसनीय डेटा संग्रह सुनिश्चित किया जा रहा है। मोबाइल एप आधारित एंट्री और फील्ड सत्यापन के माध्यम से त्रुटिरहित जनगणना का लक्ष्य रखा गया है।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण

जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान-प्रगणक घर-घर जाकर डिजिटल मोबाइल एप के माध्यम से डेटा संग्रह करेंगे। स्व-गणना में भरी गई जानकारी का सत्यापन किया जाएगा। पर्यवेक्षकों एवं चार्ज अधिकारियों द्वारा बहुस्तरीय जांच एवं पुनः सत्यापन किया जाएगा।

नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस स्व-गणना अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और सही जानकारी प्रदान कर देश की विकास योजनाओं को मजबूत आधार देने में सहयोग करें।

खास खबर

कवर्धा को मिला चौपाटी, 60 परिवारों को मिला स्थायी रोजगार

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा शहर के सुव्यवस्थित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वन विभाग कार्यालय के सामने राशि 64 लाख 34 हजार की लागत से सवर्सुविधायुक्त चौपाटी का निर्माण किया गया है। इस नव निर्मित चौपाटी में शहर के 60 फुटपाथ विक्रेताओं को व्यवस्थित रूप से स्थान प्रदान किया गया।

नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा की कवर्धा विधायक एवं छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा की मंशानुरूप छोटे व्यापारियों और फुटपाथ विक्रेताओं को स्थायी और सुरक्षित व्यवसायिक स्थान उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के नेतृत्व में पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लॉटरी पद्धति अपनाई गई, जिससे सभी पात्र विक्रेताओं को निष्पक्ष रूप से स्थान आवंटित किया जा सका।

उन्होंने कहा कि शहर में अव्यवस्थित रूप से फैल रहे फुटपाथ व्यापार को एक व्यवस्थित रूप देने के साथ-साथ विक्रेताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। चौपाटी में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे व्यापारियों और आम नागरिकों दोनों को सुविधा मिलेगी। इस पहल से जहां एक ओर शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, वहीं दूसरी ओर फुटपाथ विक्रेताओं को सम्मानजनक और स्थायी आजीविका का अवसर प्राप्त होगा। स्फुटपाथ विक्रेताओ ने भी इस व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे शहर के विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। नव निर्मित चौपाटी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शहरवासियों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध होंगे। इससे न केवल लोगों को विविध खान-पान का आनंद मिलेगा, बल्कि यह स्थान शहर के लिए एक नया फूड हब बनकर उभरेगा।

बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रशासन सतर्क

राजनांदगांव। शासन के निर्देशानुसार अक्षय तृतीया के अवसर पर कम उम्र के बालक-बालिकाओं के विवाह पर रोक लगाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर निगरानी एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत जिले, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान जिले में प्राप्त 4 बाल विवाह की सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी मामलों में सफलतापूर्वक रोकथाम की गई है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती गुरप्रीत कौर ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालकों का शारीरिक एवं मानसिक विकास पूर्ण नहीं होता, जिससे उनके जीवन में गंभीर बाधाएं उत्पन्न होती हैं। साथ ही शिक्षा बाधित होने से उनका भविष्य प्रभावित होता है। इसी उद्देश्य से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 लागू किया गया है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी क्षेत्र में बाल विवाह की सूचना मिलने पर पहले सामाजिक स्तर पर रोकने का प्रयास करने की अपील की है।

यदि रोकथाम संभव न हो तो चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा आपातकालीन नंबर 112 पर तत्काल सूचना दें, ताकि समय कार्रवाई करते हुए बाल विवाह को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि अधिनियम के तहत बाल विवाह कराने, उसमें शामिल होने या सहयोग करने वाले व्यक्तियों, वैवाहिक अनुष्ठानकर्ता, बैण्ड पार्टी एवं टेंट संचालक के विरूद्ध 2 वर्ष तक की सजा एवं 1 लाख रूपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। बाल विवाह रोकथाम के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, स्वसहायता समूहों एवं नागरिकों से सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने ग्राम गठुला में टसर परिवर्तन केन्द्र का किया निरीक्षण

रेशम उत्पादन क्षेत्र में तार फेंसिंग के लिए शीघ्र एस्टीमेट तैयार करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम गठुला में लगभग 10 हेक्टेयर क्षेत्र में संचालित टसर परिवर्तन केन्द्र की गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली तथा रेशम उत्पादन से जुड़े कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर ने रेशम उत्पादन क्षेत्र (रेयरिंग व प्लांटेशन क्षेत्र) की सुरक्षा हेतु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारियों को शीघ्र तार फेंसिंग के लिए एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि फसलों एवं पौधों को नुकसान से बचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से जुड़े ग्रामीणों की आय में वृद्धि के लिए बेहतर योजना बनाकर कार्य किया जाए और उन्हें अधिक से अधिक लाभ दिलाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर रेशम उत्पादन की प्रक्रिया, इसमें होने वाले कार्यों तथा संभावित आय के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि रेशम उत्पादन ग्रामीण आजीविका का एक अच्छा माध्यम बन सकता है, जिससे किसानों एवं समूहों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को आवश्यक प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे इस गतिविधि से अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत गठला में ग्रामोद्योग संचालनालय (रेशम प्रभाग) के माध्यम से टसर परिवर्तन केन्द्र संचालित की जा रही हैं। लगभग 10 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस केंद्र में 2 भवन निर्मित हैं तथा बड़े क्षेत्र में अर्जुन पौधों का रोपण किया गया है, जो रेशम उत्पादन का मुख्य आधार है। केंद्र में गतिविधियों के संचालन हेतु स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है, जहां महिलाओं द्वारा पौधों का रोपण, निराई-गुड़ाई, खाद डालना, पत्तियों की देखभाल, कीट पालन, प्रक्षेत्र की सफाई, कृमिपालन सहित विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। माह जून-जुलाई से जनवरी तक महिलाओं द्वारा कीट पालन का कार्य किया जाता है। विभाग द्वारा स्व-सहायता समूहों को 2 रूपए प्रति स्वस्थ डिम्ब समूह के दर से रेशम कीट प्रदाय किए जाते है, जिससे वे उत्पादन कर आय अर्जित कर रही हैं।

अधिकारियों के मार्गदर्शन में महिलाएं वर्ष में 2 से 3 फसलें लेकर कोसा उत्पादन करती हैं। कोसा को ग्रेडिंग करके ग्रेड अनुसार ककून बैंक के माध्यम से क्रय किया जाता है। जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होता है। वर्ष 2025-26 में स्व-सहायता समूहों को कुल 5 लाख 95 हजार 320 रुपए की आय प्राप्त हुई है। इसके साथ ही केंद्र में दुर्ग संभाग का एक मात्र ककून बैंक वित्तीय वर्ष 2025-26 से संचालित है। यहां जिले के कृषि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है तथा उन्हें रेशम उत्पादन, टसर एवं मलबरी सेरिकल्चर की विस्तृत जानकारी दी जाती है। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू, सहायक संचालक रेशम चारूल वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

विकास कार्यों के लिए 15 लाख 60 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के लिए 15 लाख 60 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके अंतर्गत ग्राम काकेतरा में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 60 हजार रूपए, ग्राम तिलई में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 6 लाख 50 हजार रूपए एवं ग्राम बासुला में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 6 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा में गुणवतायुक्त निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर ने सरपंचों से शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन और मूलभूत सुविधाओं के संबंध में ली प्रतिक्रिया

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने पटवारी प्रशिक्षण केंद्र में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत सरपंचों के साथ बैठक कर शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायते शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं और इसमें सरपंचों की भूमिका अत्यंत अहम है।

कलेक्टर ने सरपंचों से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन और मूलभूत सुविधाओं के संबंध में प्रतिक्रिया ली। उन्होंने नाली निर्माण, स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष, पेयजल व्यवस्था जैसे मूलभूत कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण के निर्देश दिए। साथ ही पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए टैक्स कलेक्शन बढ़ाने कहा। उन्होंने पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए सामुदायिक भवन एवं व्यावसायिक परिसरों के निर्माण जैसे आय सृजन के उपाय अपनाने कहा, जिससे किराये के माध्यम से नियमित आय प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक सोलर कनेक्शन लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने तथा गांवों को सोलर विलेज बनाने कहा।

कलेक्टर ने गर्मी के मौसम में धान की जगह कम पानी उपयोग वाली दलहन-तिलहन फसल अपनाने कहा। उन्होंने बताया कि पीएम आशा योजना के अंतर्गत शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन की खरीदी की जा रही है। जिससे किसानों को अच्छी आमदानी प्राप्त हो रही है। उन्होंने कुपोषण मुक्त पंचायत बनाने तथा लखपति दीदी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

उन्होंने अविवादित बटवारा, नामांतरण प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा। कलेक्टर ने सरपंचों से उनकी पंचायतों में आने वाली समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी सरपंच आपसी समन्वय के साथ कार्य कर विकास कार्यों में तेजी लाएं, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर प्रत्येक हितग्राही तक पहुंच सके। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह सहित सभी राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायतों के सरपंच उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत दिनांक 9 मई को

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

संबंध में बैठक आयोजित किया गया।

उक्त बैठक में अध्यक्ष द्वारा आर्बिट्रेशन, क्लेम/बीमा कंपनी के लंबित प्रकरणों में पक्षकारों से प्री-सिटिंग कर आपसी सुलह एवं समझौते से अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किये जाने के संबंध में चर्चा किया गया। बैंक/फाइनेंस कंपनी के अधिकारीगण को अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए उनके समय सीमा पर प्रस्तुतिकरण पंजीयन, नोटिस तामिली एवं उनके साथ सौहादपूर्ण रूप से राजीनामा करने पर चर्चा की गई। उक्त बैठक में आर्बिट्रेशन, क्लेम/बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं बैंक/फाइनेंस कंपनी के अधिकारीगण के साथ आगामी नेशनल लोक अदालत के

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार, श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की अध्यक्षता में एवं देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा उपस्थिति में आर्बिट्रेशन, क्लेम/बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं बैंक/फाइनेंस कंपनी के अधिकारीगण के साथ आगामी नेशनल लोक अदालत के

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना।

उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला।

जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनजातीय उद्यमिता को मिला प्रोत्साहन : जुएल ओराम ने एनएसटीएफडीसी को बताया परिवर्तनकारी संस्था

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने देशभर में अनुसूचित जनजाति समुदायों के सशक्तिकरण में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसटीएफडीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। नई दिल्ली में 10 अप्रैल 2026 को आयोजित निगम के 25वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने एनएसटीएफडीसी को जनजातीय उद्यमिता के लिए एक प्रभावी उत्प्रेरक बताया।

उन्होंने कहा कि एनएसटीएफडीसी का जन-केंद्रित दृष्टिकोण इसे विशेष बनाता है, जिसके तहत बिना किसी जमानत के वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे अधिक से अधिक जनजातीय हितग्राही लाभान्वित हो सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निगम का उद्देश्य केवल रोजगार सृजन तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में कार्य करना है। मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक एनएसटीएफडीसी द्वारा 16 लाख से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं तथा कुल वितरित राशि 4,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है, जो जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण की

दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम ने नई दिल्ली स्थित विश्व युवा केंद्र में अपना 25वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा, संयुक्त सचिव अनंत प्रकाश पांडे, निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक टी. रौमुआन पाइते, पूर्व प्रबंध निदेशक तथा देशभर की राज्य स्तरीय चैनलिंग एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनएसटीएफडीसी के मध्य क्षेत्र प्रमुख विकास रंजन की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

बेमेतरा के लाभार्थियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य से चयनित लाभार्थियों का सम्मान किया गया। इनमें जिला बेमेतरा के ग्राम कुआं के किशन ध्रुव (किराना व्यवसाय) एवं ग्राम गातापार के धनराज ठाकुर (फोटो स्टूडियो व्यवसाय) शामिल रहे। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के प्रतिनिधि (कार्यपालन अधिकारी) प्रवीण कुमार लाटा का भी स्वागत किया गया। इन सभी लाभार्थियों को एनएसटीएफडीसी की सावधि ऋण योजना के तहत व्यवसाय संचालित करने में उनके प्रयासों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में अहम पहल

कार्यक्रम के अंत में यह बताया गया कि एनएसटीएफडीसी के माध्यम से जनजातीय समुदायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह संस्था जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जनदर्शन बना सहारा : दिव्यांग को मिली ट्राई साइकिल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम एक बार फिर जरूरतमंद के जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया। इस बार तहसील बेमेतरा के ग्राम मोहभट्ठा वार्ड क्रमांक 17 निवासी दिव्यांग युवक कुमार गिरी गोस्वामी के जीवन में खुशियों की नई राह खुल गई।

लंबे समय से शारीरिक दिव्यांगता से जूझ रहे कुमार गिरी रोजमर्रा के कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर थे। आत्मनिर्भर बनने की इच्छा लिए वे जनदर्शन कार्यक्रम में पहुँचे और कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के समक्ष अपनी समस्या रखी। उन्होंने ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का आवेदन दिया।

कलेक्टर ने उनकी स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संवेदनशील निर्णय लिया और मौके पर ही ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई। जैसे ही ट्राई साइकिल उन्हें सौंपी गई, उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। भावुक होकर उन्होंने जिला प्रशासन का आभार जताया और कहा कि अब वे अपने कार्य स्वयं कर सकेंगे और स्वतंत्र जीवन जी पाएंगे। यह पहल न केवल एक व्यक्ति के जीवन में बदलाव लेकर आई, बल्कि यह भी दर्शाती है कि प्रशासनिक संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

इसी जनदर्शन कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भी अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें भूमि विवाद, प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं मूलभूत सुविधाओं से जुड़े आवेदन शामिल थे। कलेक्टर द्वारा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को समय-सीमा में समाधान के निर्देश दिए गए।

खुर्सीपार में श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाया गया भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव

कैनाल रोड के नाम से जाना जाता था अब शासकीय अभिलेखों में दर्ज हुआ परशुराम मार्ग-पीयूष मिश्रा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

खुर्सीपार स्थित परशुराम चौक में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न जनहितकारी विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम हनुमान चालीसा पाठ के साथ किया गया, तत्पश्चात पूज्य श्रीश्री 1008 श्री रामबालक दास महाराज के करकमलों से भगवान परशुराम जी का पूजन संपन्न कराया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूजन उपरांत प्रस्तावित विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन अंतर्गत एक विशालकाय डोम (शेड) का निर्माण किया जाएगा, जो सनातन धर्मावलंबी परिवारों को सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों हेतु निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। इसके साथ ही जीई रोड से परशुराम चौक आने वाले मार्ग के प्रारंभ में भव्य परशुराम द्वार, पावर हाउस चौक के समीप सर्वसुविधायुक्त यात्री प्रतीक्षालय तथा परशुराम द्वार से परशुराम चौक तक पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूज्य रामबालक दास जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे ने की। मंच पर ब्राह्मण समाज की ओर से प्रभुनाथ मिश्रा, राममिलन दुबे, केएल तिवारी, राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी, राष्ट्रीय स्वरूपानंद समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजक एवं परशुराम सेवा समिति के अध्यक्ष पीयूष मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि पूर्व में इस मार्ग को कैनाल रोड के नाम से जाना जाता था, किंतु अब समाज के सामूहिक प्रयासों से यह मार्ग शासकीय एवं निगम अभिलेखों में परशुराम मार्ग के रूप में दर्ज किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने निगम प्रशासन एवं मार्ग निर्माण की परिकल्पना रखने वाले प्रेम प्रकाश पांडे का आभार व्यक्त किया।

इसके पश्चात प्रभुनाथ मिश्रा ने समाज को संगठित एवं एकजुट रहने का संदेश दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रेम प्रकाश पांडे ने समाज की कमियों को दूर कर शिक्षा, संगठन एवं जागरूकता के माध्यम से समस्त सनातन धर्मावलंबियों को प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता पूज्य रामबालक दास महाराज ने अपने उद्बोधन में भगवान परशुराम जी के जीवन एवं चरित्र का अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक वर्णन किया तथा समाज को धर्म, संस्कृति एवं आदर्शों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कवि रामदीन कर की रचना के माध्यम से भगवान परशुराम के व्यक्तित्व का सजीव चित्रण भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक आयोजन के रूप में भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसका उपस्थित श्रद्धालुओं ने देर रात तक आनंद लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज सहित सनातन धर्म में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रघुनाथ मिश्रा, राममिलन दुबे, केएल तिवारी, ईश्वर चंद्र उपाध्याय, ईश्वर चंद्र पाटिल, अजय पांडे, नागेंद्र मिश्रा, राधेकांत मिश्रा, मनोज मिश्रा, गिरिजेश पांडे, अशोक पांडे, रामउप तिवारी, गोकुलेश तिवारी, प्रमोद तिवारी, संकटा पाठक, सत्येंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रानी अवंतीबाई सरोवर को भू-माफियाओं से बचाने विधायक रिकेश ने संभाला मोर्चा

निगम कमिश्नर को कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भिलाई की ऐतिहासिक धरोहर और जल स्रोत 'रानी अवंती बाई सरोवर' कोहका, जुनवानी रोड को भू-माफियाओं के चंगुल से बचाने के लिए निर्णायक मुहिम शुरू कर दी है। सरोवर के अस्तित्व पर मंडराते खतरे को देखते हुए विधायक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच की मांग की है।

वरिष्ठ वकीलों का बनेगा पैनल

सरोवर की जमीन को लेकर चल रहे अदालती दांवपेच के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। जानकारी के अनुसार सरोवर के लिए जमीन तो दान दी जा चुकी है लेकिन अब बिल्डर द्वारा सरोवर के तट और पाल (मेड़) की जमीन पर अपना दावा ठोकते हुए उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया है।

विधायक रिकेश सेन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए भिलाई नगर निगम कमिश्नर को तलब किया और वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनभावनाओं और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोपरि रखते हुए निगम प्रशासन उच्च-न्यायालय में अपना पक्ष मजबूती से रखे। इसके लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं का एक विशेष पैनल तैयार करने को कहा गया है ताकि सरोवर की एक इंच जमीन भी किसी निजी व्यक्ति या बिल्डर के कब्जे में न जा सके।

भू-माफियाओं के 'निजी जमीन' के खेल पर प्रहार

विधायक श्री सेन ने कहा कि अक्सर ऐतिहासिक तालाबों को 'निजबारी' या 'निजी जमीन' घोषित करा कर उनका अस्तित्व मिटाने का खेल खेला जाता है। कोहका के इस सरोवर के साथ भी ऐसा ही प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि रानी अवंती बाई सरोवर कोहका के बुजुर्गों की परंपरा और स्थानीय निवासियों की जीवनरेखा है। इसे कंक्रीट के जंगल में तब्दील करने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड की सूक्ष्म जांच और सीमांकन की मांग दोहराई है ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। विधायक की इस तत्परता ने भू-माफियाओं के खिलाफ क्षेत्र में एक नई उम्मीद जगाई है। स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों और नागरिकों ने सरोवर संरक्षण के लिए रिकेश सेन की इस पहल का पुरजोर समर्थन किया है।

सीएसआर के तहत एनआईटी रायपुर के साथ हुआ समझौता

ट्रांसमिशन कंपनी ने अनुसंधान केन्द्र के लिए एक करोड़ रूपए का दिया अनुदान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत नवीन पहल करते हुए रिसर्च एवं डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक बड़ी राशि अनुग्रहित करने का फैसला किया गया। एनआईटी रायपुर द्वारा प्रस्तावित ग्रिड X grid reserch, intelligence and diagnostic centre अनुसंधान केन्द्र के लिए सहायता राशि की मांग की गई थी। जिसे कंपनी प्रबंधन ने सीएसआर फंड से इस कार्य हेतु स्वीकृति दी गई। पॉवर कंपनी के अध्यक्ष ट्रांसमिशन (आईएएस) सुबोध सिंह एवं डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष (आईएएस) डॉ. रोहित यादव के अनुशंसा में इस परियोजना के लिए प्रारंभिक राशि प्रदान की गई। इस तारतम्य में प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन आरके शुक्ला द्वारा एनआईटी के डॉयरेक्टर एनव्ही रामनाराव को स्वीकृति एवं आवंटन पत्र प्रदान किया गया। इस कार्य हेतु ट्रांसमिशन कंपनी ने एक करोड़ रुपए सीएसआर मद से एनआईटी रायपुर को देने का फैसला किया।

श्री शुक्ला ने बताया कि सीएसपीटीसीएल द्वारा सामुदायिक विकास गतिविधियों में निरंतर कार्य किये जा रहे हैं, परंतु यह पहला अवसर है कि आरएनडी (रिर्सच एवं डवल्पमेंट) के क्षेत्र में कंपनी अपना आर्थिक सहायता देगी। यह सेंटर राज्य स्तरीय का पहला केन्द्र होगा जो छत्तीसगढ़ में विद्युत क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग, कौशल विकास, परीक्षण एवं अनुसंधान के लिए होगा। इस परियोजना से राज्य में एक स्थायी तकनीकी संरचना का निर्माण होगा, जिससे ना केवल सीएसपीटीसीएल अन्यथा कई संबद्ध उद्योग एवं सुक्ष्म-लघु उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं को भी लाभ मिलेगा तथा छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार का अवसर भी मिलेगा।

इस अनुसंधान केन्द्र की मुख्य विशेषता यह होगी कि इस केन्द्र में उन्नत इलेक्ट्रिकल परीक्षण की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जो कि एनएबीएल. मान्यता प्राप्त रहेगी। स्मार्ट ग्रिड विशलेषण और तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में यह कार्य करेगा। अभियंताओं, टेक्निशियन और छात्राओं के लिए यहां अलग-अलग ट्रेनिंग प्रोग्राम होंगे, जिससे कौशल विकास के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी बनेगा। कार्यक्रम में सीएसपीटीसीएल से मुख्य अभियंता मानव संसाधन श्रीमती रश्मि वर्मा, कंपनी सेक्रेटरी अरूण मिश्रा, एनआईटी से प्रोफेसर श्रीमती अर्चना शर्मा, एनडी लोंधे, डॉ. के चन्द्रशेखरन एवं डॉ. राम्या सेल्वाराज उपस्थित थे।

जैविक खाद के उपयोग और मिलेट्स फसलों की पैदावारी को दें बढ़ावा- संभाग आयुक्त राठौर

शासकीय अशासकीय सभी विद्यालयों में हो ग्रीष्म कालीन अवकाश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने कहा कि संभाग अंतर्गत फसलों की पैदावारी बढ़ाने हेतु जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। इसी प्रकार मिलेट्स फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि की पैदावारी के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर इनके प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग पर भी कृषि विभाग द्वारा आवश्यक पहल की जाए।

बालोद स्थित मां दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाने में गन्ने की आपूर्ति हेतु गन्ने के फसल की पैदावारी हेतु दुर्ग जिले के किसानों को भी अनुदान राशि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संभाग मुख्यालय दुर्ग स्थित कृषि विभाग के प्रशिक्षण केन्द्र भवन का सदुपयोग हेतु कृषकों का प्रशिक्षण एवं भ्रमण आदि होते रहना चाहिए। उक्त भवन अन्य विभागों के प्रशिक्षण हेतु भी निर्धारित दर पर उपलब्ध कराई जाए। श्री राठौर आज संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में संयुक्त संचालक कृषि को उक्त निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासन द्वारा 20 अप्रैल से 15 जून 2026 तक स्कूलों के लिए ग्रीष्म कालीन अवकाश घोषित किया गया है। संभाग अंतर्गत सभी शासकीय- अशासकीय स्कूलों में आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संयुक्त संचालक शिक्षा को निर्देशित किया कि बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश में समर कैम्प आदि का आयोजन स्कूल प्रबंधन द्वारा नहीं कराये जाए।

श्री राठौर ने सभी कार्यालयों में फाइल मूवमेंट ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत और अधिकारी/कमर्चारियों की निर्धारित समय पर उपस्थिति हेतु बायोमेट्रिक प्रक्रिया अपनाने की जानकारी ली। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने अधिकारियों को अवगत कराया कि शासन द्वारा आगामी 1 मई से 10 जून 2026 तक सुशासन तिहार 2026 संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक 15-20 ग्राम पंचायतों के समूह पर जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विकास कार्यों का औचक निरीक्षण पश्चात जिला मुख्यालयों में समीक्षा बैठक आयोजित किए जाएंगे।

संभाग आयुक्त श्री राठौर ने सभी संभागीय अधिकारियों को सुशासन तिहार हेतु विभागीय तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यालयों के चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों हेतु ड्रेस कोड पर जोर देते हुए अधिकारियों को गंभीरता से ध्यान देने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त ने शासकीय सीसीएम कॉलेज कचांदुर में पीडब्ल्यूडी एवं विद्युत यांत्रिकी द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली एवं अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव और उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर एवं समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100